mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-242 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना

1 सितंबर 2024 रविवार

# दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

सचिन तेंदुलकर से ...

@ पेज 7

## महाराष्ट्र चुनाव में हावी हुआ छत्रपति शिवाजी फैक्टर!

### मूर्ति ढहने से एनडीए में दरार, माफी और दोषारोपण का सिलसिला जारी

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले सत्ताधारी महायुति गठबंधन सहयोगियों के बीच तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। पहले तो लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के चलते महायुति में दरार सामने आई और फिर अब छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के ढहने से आग भड़क उठी। इस मुद्दे को लेकर शिवसेना, एनसीपी और भाजपा के नेता अलग-अलग स्वर में बात करते दिख रहे हैं। यह जरूर है कि छत्रपति की प्रतिमा गिरने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को माफी मांगी। उन्होंने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज... मेरे लिए सिर्फ नाम नहीं हैं, हमारे लिए छत्रपति शिवाजी महाराज आराध्य देव हैं। पिछले दिनों सिंधुदुर्ग में जो हुआ, आज मैं सिर झुकाकर मेरे आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज जी के चरणों में मस्तक रखकर माफी मांगता हूं। सिंधुदुर्ग जिले की मालवण तहसील में राजकोट किले में स्थापित मराठा योद्धा की 35 फुट ऊंची प्रतिमा 26 अगस्त को ढह गई थी। इसके गिरने के बाद पीएम मोदी की यह पहली टिप्पणी रही। मूर्ति गिरने की घटना पर राज्य भर के लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया है। विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर शिवाजी महाराज का अपमान करने का आरोप लगाया। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता अंबादास दानवे ने इस पर सरकार पर निशाना साधा।

### पतंजलि के मंजन में नॉनवेज मटेरियल होने का दावा

## दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई, कोर्ट ने बाबा रामदेव से मांग लिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट में पतंजलि के प्रोडेक्ट दिव्य दंत मंजन को लेकर एक याचिका दायर की गई है। इसमें प्रोडेक्ट में नॉनवेज मटेरियल होने का दावा किया गया है। याचिककर्ता एडवोकेट यतिन शर्मा ने आरोप लगाया गया है कि कंपनी अपने दिव्य दंत मंजन में समुद्र फेन (कटलफिश) नाम का मांसाहारी पदार्थ यूज करती है। एडवोकेट यतीन शर्मा में यह भी बताया गया है कि नॉन वेजिटेरियन पदार्थ के इस्तेमाल के बावजूद उस प्रोडक्ट पर ग्रीन यानी वेजिटेरियन लेबल दिया गया है। इस पर कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद और बाबा रामदेव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

### सैटेलाइट तस्वीरों ने किया ड्रैगन की चाल का खुलासा

## चीन ने एलएसी के पास बनाए 10 नए हेलीपैड, भारत के लिए खतरा

**बीजिंग (एजेंसी)।** भारत से लगी सीमा के पास (एलएसी) के पास चीन अपना सैन्य बुनियादी ढांचा बढ़ाने में जुटी हुई है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब लगभग एक दर्जन हेलीपैड बनाए हैं। रिपोर्ट में बताया है कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने कुल दस हेलीपैड स्थापित किए हैं, जो एलएसी के पास महत्वपूर्ण स्थानों पर फैले हुए हैं।

लंबाई में 150 मीटर से अधिक ये हेलीपैड पीएलए की तेजी से सैन्य तैनाती क्षमताओं को बढ़ाने के रणनीतिक प्रयास का हिस्सा हैं। इन्हें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रमुख भारतीय स्थानों के विपरीत बनाया गया है, जिसमें दौलत बेग ओल्डी क्षेत्र भी शामिल है। इन हेलीपैड पर एम-17 जैसे मध्यम लिफ्ट हेलीकॉप्टरों को उतारा जा सकता है। इसका मतलब है ये ऊंचाई वाले क्षेत्रों में चीन की परिचालन क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए तैयार हैं। देपसांग और गोगरा जैसे महत्वपूर्ण रणनीतिक क्षेत्रों के पास इनकी स्थिति से साफ पता चलता है कि इनका ध्यान तेजी से तैनाती और रसद सहायता में सुधार करने पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलए अपना ध्यान पेट्रोल पॉइंट 13 के चिप चिप सेक्टर, हॉट स्प्रिंग्स और गोगरा क्षेत्रों की ओर केंद्रित कर रही है। हेलीपैड का निर्माण तेजी से चल रही चीनी सैन्य तैयारियों के व्यापक पैटर्न का हिस्सा है। सैन्य ढांचे के निर्माण में तेजी भारत और चीन के बीच बढ़ते तनावपूर्ण संबंधों की पृष्ठभूमि में हुई है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद सीमा पर गतिरोध बढ़ गया था।

### संक्षिप्त समाचार

## पीएम मोदी ने 3 वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

- ये उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में कनेक्टिविटी बढ़ाएंगी, देश में अब 102 वंदे भारत ट्रेनें हुईं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 3 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इवेंट में शामिल हुए। ये तीनों ट्रेनें चेन्नई से नागरकोइल, मदुरै से बेंगलुरु और मेरठ से लखनऊ के बीच चलेंगी। पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा- वंदे भारत आधुनिक होती भारतीय रेलवे का नया चेहरा है। आज हर रूट पर वंदे भारत की डिमांड है। देशभर में अब

102 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। 3 करोड़ से ज्यादा लोग इन ट्रेनों से यात्रा कर चुके हैं। वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत पहली बार 15 फरवरी 2019 को मेक इन इंडिया स्कीम के तहत की गई थी। इस समय देश में 100 से ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। वंदे भारत ट्रेनों का रूट देश के 280 से अधिक जिलों को आपस में जोड़ रही हैं। वंदे भारत ट्रेनों के उद्घाटन से पहले रेल मंत्रालय ने कहा, 'नई वंदे भारत ट्रेनें क्षेत्र के लोगों को स्पीड और आरामदायक यात्रा के साथ वर्ल्ड क्लास ट्रेन का अनुभव भी देंगी। यह ट्रेन स्वदेशी टेक्नोलॉजी से बनी है। इसमें कवच टेक्नोलॉजी, 360 डिग्री घूमने वाली कुर्सियां, दिव्यांगजनों की जरूरत के अनुकूल शौचालय और इंटीग्रेटेड ब्रेल साइनेज लगे हैं।

## सुनीता विलियम्स की सुरक्षा को लेकर नासा नहीं चाहता रिस्क

- फरवरी तक बढ़ाई वापसी की तारीख, सुरक्षा को लेकर है संदेह

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर दो महीने से ज्यादा समय से स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में फंसे हुए हैं। नासा ने उनकी वापसी के लिए अगले साल के फरवरी महीने तक का समय तय किया है। ऐसे में वह आठ महीने तक अंतरिक्ष में रहेंगी। नासा के इस

फैसले के पीछे कल्पना चावला की स्पेस में हुई मौत भी है। नासा प्रमुख बिल नेल्सन का कहना है कि अंतरिक्ष में हुए दो दुर्घटनाओं ने अंतरिक्ष यात्रियों के बिना बोइंग स्टारलाइनर को वापस लाने के फैसले को प्रभावित किया है। इसमें एक केस भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला की मौत का है और दूसरा 1986 का हादसा है। फरवरी, 2003 को कल्पना चावला की मौत हो गई थी।

## महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर होने वाले फैसलों में आए तेजी

### सीजेआई की मौजूदगी में पीएम मोदी की सुप्रीम कोर्ट के जजों से अपील

### पीएम मोदी बोले-महिलाओं के खिलाफ अपराध गंभीर चिंता का विषय है

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की मौजूदगी में अन्य जजों से महिला अपराध से जुड़े मामलों को लेकर बड़ी बात कही है। पीएम ने कहा है कि महिलाओं की सुरक्षा और उनके खिलाफ होने वाले अपराध के मामलों के फैसलों में तेजी लाने की जरूरत है। बीते दिनों कलकत्ता में लेडी डॉक्टर के साथ हुए रेप और हत्याकांड के बाद पीएम ने पहली बार उससे जुड़े मुद्दे पर बोला है। हालांकि कलकत्ता मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। पीएम मोदी ने कहा कि आज के समय में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा समाज के लिए गंभीर समस्या है। भारत में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कई कठोर कानून बने हैं। अब इन कानूनों को सक्रिय करने की जरूरत है। देश की आधी आबादी को सुरक्षित रखने के लिए महिला अत्याचार से जुड़े मामलों के फैसलों में तेजी लाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पीएम मोदी बोल रहे थे। इस दौरान पीएम ने डाक टिकट और सिक्कों का अनावरण भी किया। इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के सभी वरिष्ठ जज मौजूद थे। उन सभी के सामने ही पीएम ने महिला सुरक्षा के मामले को लेकर महत्वपूर्ण बातें कही। पीएम ने कहा कि पिछले एक दशक में न्याय में देरी को खत्म करने के लिए कई स्तर पर प्रयास हुए हैं। न्यायिक बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर पिछले 10 सालों में करीब 8 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। पीएम ने सुप्रीम कोर्ट को लेकर कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के 75 वर्ष केवल एक संस्था मात्र की यात्रा नहीं है बल्कि ये यात्रा भारतीय संविधान और उसके संवैधानिक मूल्यों की है।

## केरल में आरएसएस की 3 दिन की बैठक शुरू

### मोहन भागवत और जेपी नड्डा मौजूद, वायनाड़ रिपोर्ट पेश

### नया बीजेपी अध्यक्ष और 4 राज्यों में चुनाव पर चर्चा संभव

**पलक्कड़ (एजेंसी)।** केरल के पलक्कड़ में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) की 3 दिन की वार्षिक समन्वय बैठक शनिवार सुबह 9 बजे से

शुरू हुई। मीटिंग में संघ चीफ मोहन भागवत, सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष शामिल हुए। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मीटिंग में नए भाजपा अध्यक्ष के नामों पर चर्चा हो सकती है। 4 राज्यों की विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी बातचीत हो सकती है। बैठक में संघ के 32 सहयोगी संगठनों के 300 कार्यकर्ता शामिल हुए। इसका उद्देश्य संगठनों के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर चर्चा करना है। मीटिंग में वायनाड में आई लैंडस्लाइड में आरएसएस द्वारा पहुंचाई गई मदद के बारे में जानकारी दी गई।

## कोलकाता केस में पुलिस का सिविक वॉलंटियर गिरफ्तार

- जूनियर डॉक्टरों के प्रोटेस्ट में शराब पीकर बाइक चलाई, छात्र को टक्कर मारी थी

**कोलकाता (एजेंसी)।** कोलकाता आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या के विरोध में जूनियर डॉक्टरों के प्रदर्शन का आज 23वां दिन है। रविंद्र भारती यूनिवर्सिटी के पास चल रहे डॉक्टरों के प्रदर्शन के दौरान शनिवार रात 2 बजे एक शख्स शराब के नशे में बाइक लेकर भीड़ में घुस गया। इस दौरान एक प्रदर्शनकारी छात्र को उसने टक्कर मार दी, जिसमें उसे चोट आई है।

इस दौरान वहां पुलिस भी मौजूद थी, लेकिन उन्होंने बिना एक्शन लिए आरोपी को छोड़ दिया। इसके बाद डॉक्टरों ने उसकी गिरफ्तारी को लेकर 5 घंटे तक बीटी रोड जाम कर दिया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आरोपी के बाइक पर कोलकाता पुलिस का स्टिकर लगा हुआ था। वह कोलकाता पुलिस का सिविक वॉलंटियर है। रेप-मर्डर का आरोपी संजय रॉय भी पुलिस में सिविक वॉलंटियर था। कोलकाता पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

उसे सिविक वॉलंटियर टीम से भी हटा दिया गया है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 30 अगस्त को रेप-मर्डर केस के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्र सायन लाहिड़ी को रिहा करने का आदेश दिया है। सायन पर बिना परमिशन के नबन्ना रैली निकालने का आरोप था। इसी रैली में हिंसा के दौरान कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। कोर्ट ने पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा कि अधिकारियों को इसे तरीके से संभालना चाहिए था।

## चंपाई के बाद लोबिन हेम्ब्रम ने भी थामा भाजपा का दामन

- बोले- तीर-धनुष में अब शिबू सोरेन के समय जैसा दम नहीं

**रांची (एजेंसी)।** झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के पूर्व विधायक लोबिन हेम्ब्रम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। लोबिन हेम्ब्रम ने शनिवार को रांची स्थित पार्टी कार्यालय में एक समारोह में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

इस दौरान, असम के मुख्यमंत्री और झारखंड भाजपा के सह-प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा, झारखंड भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और मधु कोड़ा, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी और पूर्व विधायक सीता सोरेन भी मौजूद रहीं। इससे एक दिन पहले, शुक्रवार को ही, पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और उनके बेटे बाबूलाल सोरेन भी भाजपा में शामिल हुए थे।

## शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन में पहुंचीं पहलवान विनेश फोगाट

- सम्मान किया गया, बोलीं-हक मांगने वाला हर व्यक्ति राजनेता नहीं होता, धर्म से भी ना जोड़ें

**अमृतसर (एजेंसी)।** पेरिस ओलिंपिक से डिसक्वालिफाई हुई पहलवान विनेश फोगाट आज शनिवार को पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में पहुंचीं। यहां किसान नेताओं ने मंच पर उनको सम्मानित किया। किसानों की तरफ से आंदोलन को 200 दिन पूरे होने पर यहां कार्यक्रम रखा गया था। इसके बाद विनेश फोगाट खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में शामिल होंगी। इस मौके पर विनेश फोगाट ने कहा-आज किसानों को यहां बैठे 200 दिन हो गए, लेकिन जोश पहले दिन जैसा ही है। आपकी बेटी आपके साथ है। मैं सरकार को कहती हूं कि देश के लोग हक की आवाज उठाते हैं तो हर बार यह पॉलिटिकल नहीं होता। इसे किसी धर्म से नहीं जोड़ना चाहिए। विनेश ने आगे कहा- मैं सरकार से आग्रह करती हूं कि उन्हें सुनना चाहिए। उन्होंने पिछली बार अपनी गलती स्वीकार की थी। उन्हें अपने वादे पूरे करने चाहिए। इसे हल करना सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। कांग्रेस के विधानसभा चुनाव में टिकट दिए जाने के सवाल पर विनेश ने कहा कि मुझे नहीं पता पॉलिटिक्स का। मुझे पॉलिटिक्स का इतना नॉलेज नहीं है। सच्चाई बता रही हूं कभी मैं इतना डीप में गई नहीं हूं। खेलों के बारे में पूछेंगे तो मैं बता सकती हूं, लेकिन हर जगह पर किसान हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद पर श्री मोहन नागर ने किया पदभार ग्रहण

भोपाल। मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद के राज्य कार्यालय में आज नव-नियुक्त उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर परिषद द्वारा प्रदेश के स्वैच्छिकता तंत्र के विकास में परिषद की भूमिका पर अवधारणात्मक विमर्श भी हुआ। परिषद के नव-नियुक्त उपाध्यक्ष श्री नागर ने कहा कि परिषद समाज, संगठन और सरकार के बीच सेतु है। उन्होंने कहा कि ग्राम में जो भारत है, उसके लिये हमें काम करना है। उन्होंने कहा कि परिषद के स्व. श्री अनिल माधव जी की कल्पना थी, जो ग्राम विकास को लेकर रही। श्री नागर ने कहा कि यह पदभार ग्रहण कार्यक्रम नहीं, बल्कि मेरे लिये यह दायित्वबोध का कार्यक्रम है। केन्द्रीय मंत्री श्री दुर्गादास उइके ने कहा कि मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद लोक मंगल के कार्यों के लिये समर्पित है। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन की अनेक योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक के व्यक्ति तक पहुँचाने का काम परिषद द्वारा किया जा रहा है। परिषद नर सेवा ही नारायण की सेवा की तरह कार्य कर रही है। केन्द्रीय मंत्री श्री उइके ने कहा कि राज्य शासन ने मोहन नागर जैसे अच्छे चिंतक, विचारक, यशस्वी लेखक, कवि एवं संवेदनशील चेतना पुरुष को सही उपदेश के लिये चुना है। मछुआ कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पवार ने कहा कि परिषद के उपदेश पवित्र हैं। जन-समुदाय के साथ उपदेश कैसे पूरे किये जायें, इन सब चीजों पर काम करना जन-अभियान परिषद का दायित्व है। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि श्री मोहन नागर पिछले 25 से 30 वर्षों से बैतूल जैसे बेल्ट में जौहरी की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण के साथ शोषित, वंचित, गरीब लोगों के कल्याण के लिये काफी काम किया है। कार्यक्रम में सांसद श्री रोडमल नागर, परिषद के कार्यपालक निदेशक डॉ. धीरेन्द्र कुमार पाण्डे, मुख्यमंत्री कार्यालय में ओएसडी श्री महेश चौधरी, जन-प्रतिनिधि और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

### तस्कर पुजारी सिंह बावरिया की जमानत उच्च न्यायालय जबलपुर से खारिज

भोपाल। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा प्रकरण में की गई सटीक विवेचना के आधार पर शामिल आरोपी पुजारी सिंह की जमानत याचिका को निरस्त करने के लिये अपील की गई थी। इस पर उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा विस्तृत सुनवाई के उपरांत 29 अगस्त को तस्कर पुजारी सिंह बावरिया की जमानत उच्च न्यायालय जबलपुर से खारिज कर दी गई है। उक्त आरोपी को विगत कई वर्षों से अन्य प्रदेशों के वन विभाग एवं कानून प्रवर्तन संस्थाएँ तलाश रही थीं तथा तमिलनाडु राज्य द्वारा आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिये जाने के लिये भी पत्राचार किया गया है। पूर्व में आरोपी पुजारी सिंह की जमानत याचिका मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं नर्मदापुरम, सत्र न्यायालय द्वारा भी निरस्त की गई थी। उल्लेखनीय है कि स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश द्वारा वन्य-जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली से प्राप्त एलर्ट एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर 18 अगस्त, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय कुख्यात वन्य-जीव तस्कर आदिन सिंह उर्फ कल्ला बावरिया को बाघ एवं पेंगोलिन के अवयवों के साथ गिरफ्तार किया गया था। आरोपी के विरुद्ध प्रकरण 18 अगस्त, 2023 को पंजीबद्ध कर अग्रिम विवेचना के दौरान पुजारी सिंह वल्द रामकुमार सिंह बावरिया, निवासी होशियारपुर पंजाब को गिरफ्तार किया गया था। उक्त आरोपी के विरुद्ध महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु राज्य में वन्य-प्राणी बाघ के शिकार एवं उसके अवयवों के अवैध व्यापार के संबंध में प्रकरण दर्ज है।

### 63वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2024 बेंगलौर

भोपाल। 30 से 02 सितम्बर 2024 तक 63वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आयोजन बेंगलुरू (कर्नाटक) में किया गया है। प्रतियोगिता में म.प्र. खेल अकादमी के खिलाड़ी सुनील डाबर ने एथलेटिक्स खेल का बेहतर प्रदर्शन कर रजत पदक अपने नाम किया। म.प्र. राज्य खेल अकादमी के एथलेटिक्स खिलाड़ी सुनील डाबर ने 5000 मी. इवेन्ट में 14ः00.50 समय पूर्ण कर रजत पदक अर्जित किया। इसी इवेन्ट में एसएससीबी के खिलाड़ी गुलवीर सिंह ने 13ः54.70 समय लेकर स्वर्ण पदक और लवप्रीत सिंह ने 14ः00.89 समय लेकर कांस्य पदक अर्जित किया। खेल अकादमी के खिलाड़ी विनोद सिंह ने 14ः07.67 समय लेकर चौथा स्थान प्राप्त किया। खेल अकादमी के खिलाड़ी सुनील डाबर की इस उपलब्धि पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने बधाई दी है।

### राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान 2 सितम्बर को मंत्रालय स्थित पटेल पार्क में होगा

भोपाल। मंत्रालय स्थित वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र -गीत वन्देमातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का गायन 2 सितम्बर को प्रातः 11 बजे किया जाएगा। 1 सितम्बर को शासकीय अवकाश होने के कारण राष्ट्र गीत एवं राष्ट्रगान का आयोजन 2 सितम्बर को होगा। वर्षा होने की स्थिति में उक्त गायन मंत्रालय क्रमांक-1 के कक्ष क्रंमाक-506 में होगा।

# खेलों में अमेरिका-चीन से कदमताल करना है तो भारतीयों को अपना माइंडसेट बदलना होगा-मंत्री विश्वास कैलाश सारंग

भोपाल। खेल मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में स्पोर्ट इंडिया कॉन्फ्रेंस के 12वें संस्करण में स्पोर्ट इंडिया एक्सपो का शुभारंभ किया। इस महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस का आयोजन फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने स्पोर्ट इंडिया फाउंडेशन और इंडियन एक्जीबिशन सर्विसेज के सहयोग से किया गया, जिसमें देशभर के खेल और शारीरिक शिक्षा क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञ और नेताओं ने भारत में खेलों के भविष्य पर विचार-विमर्श किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि जब ओलंपिक या अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता होती है तो हम सभी पदकों की तुलना अमेरिका एवं चीन से करने लगते हैं। यह स्वाभाविक भी है। मानव की यह प्रकृति भी है। तुलनात्मक अध्ययन करना, यह होना भी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें सोचना भी पड़ेगा कि क्या देशवासियों में खेलों को केरियर के रूप में अपनाने की अवधारणा है, उस माइंडसेट में बदलाव आया है। वर्तमान में हमारे बच्चे खेल में केरियर बनाने को लेकर कुछ सकारात्मक बदलाव तो हुआ है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ जनसंख्या वाले देश मे खेल जुनून बन जाना चाहिए। मध्यप्रदेश की सरकार हो या केंद्र की एनडीए की सरकार, खेलों के प्रति युवाओं में माहौल व संसाधन सुविधा उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। स्वामी विवेकानंद के ध्येय वाक्य पढ़ाई के साथ खेल भी मन-मस्तिष्क को उर्वरक बनाने के लिए जरूरी है, इसे अपना कर आगे बढ़े तो भारत भी पदकों की तालिका में अमेरिका व चीन को मात देने की सामर्थ्य रखता है। मंत्री श्री सांरग ने कहा कि खेलों का यह अमृत काल है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेल के क्षेत्र में फिट इंडिया से लेकर कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम चलाए गए हैं। इसका उद्देश्य है, युवाओं में खेलों के प्रति जागरूकता लाना जिससे हम खेल के क्षेत्र में महाशक्ति बन सके। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में किसी समय केवल 2 करोड़ रुपये खेल का बजट हुआ करता था। आज 700 करोड़ रुपये है। लोगों में खेलों के प्रति जागरूकता लाने सरकारी स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। बच्चों के हाथ में मोबाइल देने की बजाय उन्हें खेल की कोई सामग्री देकर आसपास के खेल मैदाने में भेजने के लिए संवेदनशील होना पड़ेगा। जब तक खेल के प्रति आस्था नहीं होगी, परिणाम सकारात्मक नहीं आएंगे। सरकार अपने स्तर पर रिसर्च-रिफॉर्म कर रही है। जो भी खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे आ रहे हैं वह परफॉर्म कर देश का सम्मान भी बढ़ा रहे हैं। मंत्री श्री सारंग ने स्पोर्ट्स इंडिया पुरस्कार समारोह में खेल कोचिंग, शिक्षण, प्रशासन और प्रबंधन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार भारत के खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संगठनों को प्रदान किया जाता है।

## सपना के सपने अब होंगे साकार

भोपाल। बच्चे देश का भविष्य हैं और पूंजी भी। इन्हें बेहतर शिक्षा देकर हम इनके साथ अपने देश का भविष्य भी उज्जवल बनाते हैं। सरकार के प्रयासों से जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार हो रहा है। बड़वानी जिले के हिरकराय गाँव की रहने वाली कुमारी सपना बर्डे कक्षा 12वीं (बायोलॉजी) की छात्रा हैं। सपना को अपने गाँव से स्कूल तक आने-जाने में रोजाना बड़ी समस्या होती थी। इस समस्या के कारण ही सपना ने शासकीय जनजातीय सीनियर बालिका छात्रावास सिलावद में दाखिला ले लिया। छात्रावास में दाखिल होते ही सपना को अपने मन के सपने पूरे करने की राह मिल गई। सपना बताती हैं कि जनजातीय कार्य विभाग की छात्रावास योजना में जनजातीय छात्राओं के लिए चल रहे इस छात्रावास में उन्हें सुरक्षित भवन, बिजली, पानी, भोजन जैसी सभी जरूरी सुविधाएँ निःशुल्क मिल रही हैं। सपना कहतीं हैं उसे पढ़-लिख कर डॉक्टर बनना है। इसके लिए वह नीट परीक्षा की तैयारी कर रही है। जनजातीय विभाग की आकांक्षा योजना में जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को नीट परीक्षा में सफल होने के लिये तैयारी की कोचिंग भी दी जाती है। योजना का लाभ लेकर सपना ने नीट की चयन परीक्षा में भी भाग लिया है। वे बताती हैं कि उसके पिता एक साधारण किसान हैं।

## प्रदेश के 22 जिलों में एकीकृत आयुष विंग संचालन के लिए 213 पदों के सृजन की स्वीकृति

भोपाल। आयुष विभाग ने प्रदेश के 22 जिलों के एलोपैथी चिकित्सालयों में एकीकृत आयुष विंग संचालन के लिए कुल 213 विभिन्न पदों के जिलेवार एवं पैथीवार सृजन की स्वीकृति दी है। जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के अलीराजपुर, आगर मालवा, रीवा, अनूपपुर, ग्वालियर, अशोकनगर, भिंड, कटनी, उमरिया, बैतूल, भोपाल, बुरहानुपुर, खंडवा, खरगोन, धार, मुरैना, सतना, शहडोल, सिंगरौली, उज्जैन, सागर एवं निवाड़ी सहित 22 जिलों के लिए 22 आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञ के पद स्वीकृत किए गए हैं। ग्वालियर, भिंड, कटनी, उमरिया, मुरैना, शहडोल, उज्जैन एवं सागर सहित 8 जिलों के लिए 8 होम्योपैथी चिकित्सा विशेषज्ञ के पद स्वीकृत किए गए हैं। रीवा, ग्वालियर, भोपाल, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन एवं उज्जैन समेत 7 जिलों के लिए 7 यूनानी चिकित्सा विशेषज्ञ के पद सृजन की भी स्वीकृति दी गई है। इसी तरह प्रदेश के अलीराजपुर, आगर मालवा, रीवा, अनूपपुर, ग्वालियर, अशोकनगर, भिंड, कटनी, उमरिया, बैतूल, भोपाल, बुरहानुपुर, खंडवा, खरगोन, धार, मुरैना, सतना, शहडोल, सिंगरौली, सागर एवं निवाड़ी सहित 21 जिलों के लिए 21 आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी के पद स्वीकृत किए गए हैं। ग्वालियर, भिंड, कटनी, बैतूल, मुरैना, शहडोल, उज्जैन एवं सागर सहित 8 जिलों के लिए 8 होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी के पद स्वीकृत किए गए हैं। रीवा, ग्वालियर, भोपाल, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, उज्जैन एवं सागर समेत 8 जिलों के लिए 8 यूनानी चिकित्सा अधिकारी के पद सृजन की भी स्वीकृति दी गई है। प्रदेश के अलीराजपुर, आगर मालवा, रीवा, अनूपपुर, ग्वालियर, अशोकनगर, भिंड, कटनी, उमरिया, बैतूल, भोपाल, बुरहानुपुर, खंडवा, खरगोन, धार, मुरैना, सतना, शहडोल, सिंगरौली, सागर एवं निवाड़ी सहित 21 जिलों के लिए 21 आयुर्वेद कंपाउंडर/फार्मासिस्ट के पद स्वीकृत किए गए हैं।

## कलापिनी कोमकली ने दी मध्यप्रदेश उत्सव में शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति

भोपाल। मध्यप्रदेश भवन में आयोजित 'मध्यप्रदेश उत्सव' की सांस्कृतिक संध्या में पहले दिन सुश्री कलापिनी कोमकली ने देवास के शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। उन्होंने राग पुरिया धनाश्री, पूर्वी थाट, रागदेश, राग मल्हार सहित निर्गुण और लोक भजनों की प्रस्तुति दी, जिसमें समूह के सदस्य श्री रामेंद्र सिंह सोलंकी ने तबला, श्री चेतन निगम ने हारमोनियम, श्री कृष्ण ने मंजीरा, सुश्री वर्षा और सुश्री वैशाली ने वीणा पर संगत दी। सुश्री कोमकली भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रतिभावान कलाकार हैं और प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित हैं। वे कुमार गांधर्व की सुपुत्री भी हैं। उल्लेखनीय है कि 30 अगस्त से 2 सितंबर, 2024 के बीच आयोजित %मध्यप्रदेश उत्सव% में प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। चार-दिवसीय मध्यप्रदेश उत्सव में दूसरे दिन सुप्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना श्रीमती बिंदु जुनेजा के ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति होगी। तीसरे दिन मैहर घराने की नलतरंग सहित अन्य परंपरागत वाद्य-यंत्रों के माध्यम से वाद्य वृन्द का प्रस्तुतीकरण होगा। आंचलिक कलाकारों द्वारा आखिरी दिन 2 सितम्बर को लोकगायन की प्रस्तुति होगी, जिसमे श्री शशिकुमार पांडेय द्वारा रीवा के बघेली लोक गायन तथा सुश्री आलोचना मांगरोले द्वारा खंडवा के निमाड़ी लोक गायन सम्मिलित है।

## हॉकी इण्डिया हाई परफार्मेन्स डायरेक्टर हर्मन क्रुइस ने म.प्र. राज्य महिला हॉकी अकादमी, ग्वालियर का अवलोकन किया

भोपाल। 27-28 अगस्त 2024 को हॉकी इण्डिया के हाई परफार्मेन्स डायरेक्टर हर्मन क्रुइस ने ग्वालियर के म.प्र. राज्य महिला हॉकी अकादमी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि 67 वर्षीय हर्मन क्रुइस मूलतः नीदरलेण्ड के निवासी है। विश्व के सबसे प्रतिष्ठित प्रशिक्षकों में से एक है। वर्ष 2006 से 2008 के मध्य नीदरलेण्ड की महिला हॉकी टीम के मुख्य प्रशिक्षक रह चुके हैं। वर्ष 2016 से 2023 तक बेलारूस हॉकी टीम के प्रशिक्षक रह चुके हैं। वर्ष 2023 में हॉकी इण्डिया ने हर्मन को प्रशिक्षक नियुक्त किया था। जूनियर वर्ल्ड कप, मलेशिया और चिली में भी भारतीय टीम के प्रशिक्षक रहे हैं। 2 दिवसीय ग्वालियर दौरे पर उन्होंने ग्वालियर अकादमी की महिला खिलाड़ियों के प्रशिक्षण का अवलोकन किया। उन्होंने ग्वालियर महिला हॉकी अकादमी में खिलाड़ियों को दी जा रही सुविधाओं का भी जानकारी ली। उन्होंने खिलाड़ियों को कई उपयोगी टिप्स भी दिये। ग्वालियर स्थित महिला हॉकी अकादमी को और बेहतर बनाने के लिए भी उन्होंने सुझाव दिये हैं। उन्होंने उपलब्ध सुविधाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। उल्लेखनीय है कि ग्वालियर महिला हॉकी अकादमी वर्ष 2006 में स्थापित की गई थी। अकादमी के खिलाड़ियों ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पदक प्रदेश के लिए अर्जित किये हैं। ग्वालियर खेल अकादमी के खिलाड़ियों ने रियो और टोक्यो ओलम्पिक में भी प्रतिभागिता की थी।

## तीन घंटे चली शीर्ष मैराथन बैठक, लोकनिर्माण विभाग महत्वपूर्ण बदलाव की ओर

भोपाल। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस दौरान अपर मुख्य सचिव श्री केसी गुप्ता, एमडी भवन विकास निगम श्री चन्द्र मोहन ठाकुर सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने कहाँ कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की समीक्षा बैठकों में प्राप्त सुझावों, नवाचारों एवं निर्देशों को समयबद्ध अनिवार्यतः लागू करें। मंत्री श्री सिंह ने बैठक में सड़क निर्माण के महत्व को रेखांकित करते हुए हर माह सड़क निर्माण का एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने और उसकी प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहाँ कि प्रदेश में सड़क निर्माण की गति को रफ्तार मिली है इसे और तेज करने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखना है। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को लोकपथ मोबाइल ऐप में 15 नवंबर तक शेष सभी सड़कों को शामिल करने का निर्देश दिया, जिससे आमजनों को क्षतिग्रस्त सड़कों की शिकायत करने की सुविधा लोक निर्माण विभाग के संपूर्ण सड़क नेटवर्क पर मिल सके। श्री सिंह ने बैठक के दौरान सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता की सामग्री, जैसे बेहतरीन क्वालिटी के डामर और इमल्शन के उपयोग पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्माण में गुणवत्तापूर्ण मटेरियल का उपयोग सुनिश्चित किया जाए और रोड साइनेज तथा मार्किंग पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। मंत्री श्री सिंह ने राज्य में निर्माण परियोजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए शासन स्तर पर एक मॉनिटरिंग सेल के शीघ्र गठन के निर्देश दिए। यह सेल 50 करोड़ से अधिक की सभी निर्माण परियोजनाओं की विशेष मॉनिटरिंग करेगी। विभाग के डैशबोर्ड का संचालन भी इसी सेल द्वारा किया जाएगा। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि एरियल डिस्टेंस के आधार पर सड़कों की दूरी कम करने पर विचार किया जाये।

## मंत्री श्रीमती उइके ने अलीराजपुर जिले की समीक्षा बैठक की

भोपाल। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने अलीराजपुर में चंद्रशेखर आजाद नगर स्थित अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद कुटिया का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने चंद्र शेखर आजाद जी की प्रतिमा को नमन करके पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने आज़ाद स्मृति संग्रहालय का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि स्कूल के बच्चों को प्रतिवर्ष इस ऐतिहासिक स्थान का भ्रमण करवाना चाहिए। जिससे युवा पीढ़ी भारतीय राष्ट्रवाद के गुण सीखे और साथ ही भारत की स्वाधीनता के दौरान लड़े रणबाकुरों के बारे में जानकारी मिले। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने कलेक्टर परिसर अलीराजपुर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। उन्होंने समस्त उपस्थित जनसमूह को आग्रह किया कि पर्यावरण का शुद्ध एवं वातावरण का ठंडा रखने के लिए हम सभी को पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्रीमती उईके ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि इस क्षेत्र एवं राज्य के विकास के लिए हम सभी को प्रयास करना होगा। पत्रकार प्रशासन का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने बताया की जिले में उनकी मुख्य प्राथमिकता स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और प्रत्येक पात्र नागरिक को शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना रहेगा। इस दौरान सांसद श्रीमती अनिता चौहान, श्री मकु परवाल, कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

# राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** मप्र शासन खेल और युवा कल्याण विभाग मंत्रालय भोपाल एवं संचालनालय खेल और युवा कल्याण मप्र भोपाल द्वारा मेजर ध्यानचंद जी के जन्म दिवस ''राष्ट्रीय खेल दिवस'' के अवसर पर दिनांक 26 से 31 अगस्त 2024 के मध्य खेल सप्ताह मनाये जाने एवं 29.08.2024 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रदेश में विभिन्न खेल कार्यर₹ म का आयोजन कराये जाने के निर्देश दिये गये है। निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा (नियंत्रण कर्ता अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग) सीधी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव (जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी) सीधी के कृशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जिला स्तर एवं समस्त विकासखण्ड में दिनांक 27.08.2024 से 31.08.2024 तक विभिन्न खेल कार्यर₹ म कबड्डी, खो-खो, फुटबाल, वालीवाल, प्लेंक चौलेंज, रस्साकसी, रस्सीकूद, कुर्सी दौड़, बैडमिंटन का आयोजन जिला खेल प्रशिक्षक एवं ब्लाक समन्वयक द्वारा शिक्षा विभाग एवं वरिष्ठ खिलाड़ियों के सहयोग से किया गया।

29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद जी के जन्म दिवस ''राष्ट्रीय खेल दिवस'' के अवसर पर जिला मुख्यालय पर कुंवर अर्जुन सिंह सामुदायिक भवन सीधी में बैडमिंटन प्रतियोगिता एवं शा0उ0मा0वि0 ₹ मांक-02 में कबड्डी खेल प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. रविन्द्र वर्मा पुलिस अधीक्षक सीधी के मुख्य आतिथ्य, डॉ. अनूप मिश्रा अध्यक्ष ₹ीड़ा भारती सीधी की अध्यक्षता, अरविन्द श्रीवास्तव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी) सीधी के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। कार्यर₹ म का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मेजर ध्यानचन्द जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया तत्पश्चात् बैडमिंटन प्रतियोगिता का फायनल मैच खेला गया। उक्त आयोजन क्रीड़ा भारती सीधी एवं खेल और युवा कल्याण विभाग सीधी के समन्वय से किया गया।

ब्लाक स्तर पर दिनांक 29 अगस्त को ब्लाक कुसमी के एकलव्य आवासीय विद्यालय टमसार में कबड्डी, ब्लाक सिहावल के कौशल मेमोरियल विद्यालय कुचवाही में रस्सीकूद, ब्लाक मझौली के शा0उ0मा0वि0 पथरौला में हैण्डबाल एवं कबड्डी, ब्लाक रामपुर नैकिन के मोहिनीदेवी स्टेडियम चुरहट में रस्साकसी खेल का आयोजन ब्लॉक समन्वयकों के द्वारा कराया गया।

# राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ, आंगनवाड़ी में किया पौधरोपण

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत प्रदेश भर के साथ रीवा में भी आंगनवाडी केंद्रों पर वृक्षारोपण किया गया इसी तारताम्य में त्योंथर तहसील के मलपार आगनवाड़ी केंद्र में भी कार्यकर्ता ममता शुक्ला के द्वारा केंद्र परिसर में आम का पेड़ लगाया गया साथ ही उपस्थित लोगो को किसी भी अवसर में वृक्षारोपण करने की शपथ दिलाई गई।

आपको बता दे ये वही आंगनवाडी कार्यकर्ता है जो लगातार लोगो को स्वच्छता सहित अन्य गतिविधियों पर जागरूक करती है वृक्षारोपण कार्यक्रम में ग्रामीण लोगो ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और वृक्षारोपण किया।आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ममता शुक्ला ने वृक्षारोपण के साथ साथ ग्रामीण महिलाओं से अपने घर में पोषण वाटिका लगाने की अपील की है। पोषण वाटिका में हरी सब्जियां लगाने की समजाइस दी गई साथ ही हरी सब्जी में भाजी के उपयोग को स्वास्थ्य के लिए लाभदायक बताया। इसके साथ ही ग्रामीण महिलाओं को पोषण माह के बारे में जानकारी दी कार्यक्रम का आयोजन महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी दीपक मिश्रा ,सेक्टर पर्यवेक्षक पूजा मिश्रा के साथ मिलकर किया गया इस दौरान सहायिका साहसकली केवट , समाजसेवी शैलेंद्र मिश्रा , सीमा, उमा, प्रगति राबेंद्र शुक्ला,

# अवैध गांजा उगाने वाला गिरफ्तार, 9 फीट लंबा पेड़ किया जब्त

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** जिले में सोशल मीडिया में अपलोड एक वीडियो की वजह से घर में गांजे का पेड़ उगाने वाले आरोपी को मोरवा थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने घर पर 9 फीट लंबा गांजे का पेड़ लगा रखा था, लेकिन सोशल मीडिया के एक वीडियो ने उसकी पोल खोल दी और सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। सिंगरौली जिले के मोरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले दूधिचुआ रोड पर रहने वाले आरोपी पिंटू कुमार रविदास को अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा घर पर उगने के आरोप में गिरफ्तार किया है और उसके घर से 9 फीट ऊंचा गांजे का पेड़ जब्त किया है, जिसकी कीमत 30 हजार बताई जा रही है।

**ऐसे पकड़ में आया गांजे का पेड़:** आरोपी पिंटू रैदास के पकड़े जाने की कहानी भी बड़ी ही दिलचस्प है। असल पर दो दिन पहले सोशल मीडिया पर इस इलाके की समस्याओं पर एक वीडियो अपलोड हुआ। मोरवा थाना प्रभारी कपूर त्रिपाठी सहित उनके स्टाफ की नजर की भी इस अपलोड वीडियो पर पड़ी। उस अपलोड किए गए वीडियो के बीच में एक हरे गांजे का पेड़ पुलिस को दिखाई दिया।

इसके बाद पुलिस ने मौके पर जाकर देखा तो वाकई वहां गांजे का पेड़ उगा हुआ था। पुलिस ने इसके बाद कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला कायम किया है। इस पूरी कार्रवाई के दौरान उपनिरीक्षक एनपी तिवारी, प्रधान आरक्षक संजय सिंह, राहुल सिंह, अजीत सिंह परिहार, आरक्षक मंगलेश्वर सिंह, सुरेश परस्ते, अमित द्विवेदी की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

# नाबालिग के साथ रेप के आरोपी को 20 साल की कैद

**मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)।** 16 साल की एक नाबालिग को बहला फुसला कर भगा ले जाकर दुराचार करने के एक मामले में कोर्ट ने शनिवार को फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी को 20 साल की कठोर कैद के साथ 9 हजार रुपए के जुर्माना भी लगाया है।आज शनिवार की शाम 6 बजे एडवोकेट लखन राजपूत ने बताया कि थाना सिटी कोतवाली में नाबालिग पीड़िता के पिता ने 1 मई 2022 को मामला दर्ज कराया था।

30 अप्रैल को रात 11 बजे उसकी नाबालिग बेटी सोने की बात कहकर अपने कमरे में चली गई। रात 3 बजे जब उसकी नींद खुली तो उसने देखा कि बेटी कमरे में नही है। घर के दरवाजे खुले हुए थे। तलाश करने पर बेटी का पता नही चला। परिजनों ने थाना में शिकायत की।

पुलिस ने 27 मई को पीड़िता को दस्तयाब किया। पूछताछ में उसने बताया कि आरोपी उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था। आरोपी ने उसके साथ गलत काम किया है। पुलिस ने पीड़िता का डॉक्टरी परीक्षण कराया गई।आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेष किया गया। फरियादी की ओर से एडीपीओ हेमंत बाजौलिया ने पैरवी करते हुए सबूत कोर्ट में पेष कर आरोपी को कठोर से कठोर सजा देने की मांग रखी।

# लापता मां का पता लगाने में नाकाम हुई पुलिस, बेटे ने खोज कर लाने वाले के लिए रखा 10 हजार का इनाम

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र से एक अजीबोगरीब मामला समाने आया है यहां पर रहने वाले एक युवक की 60 वर्षीय मां 5 माह पूर्व अचानक से गायब हो गई. युवक ने पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई और मामा से लिए गए कर्ज को न चुका पाने के कारण मामा के ही द्वारा मां को गायब किए जानें और उसके पास रखे 5 लाख के जेवर व 30 हजार रुपए नगदी हड़पने का गंभीर आरोप लगाया. युवक की शिकायत के बाद भी पुलिस उसकी मां को खोज पाने में नाकाम है जिसके चलते बेटे ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है. वहीं 5 माह से अपनी मां की तलाश के लिए पुलिस के चक्कर काट रहे बेटे ने 10 हजार का इनाम घोषित किया है उसका कहना है की जो भी उसकी मां को खोजकर लाएगा उसे 10 हजार का इनाम दूंगा.

**5 माह से लापता मां, बेटे ने लगाया मामा पर आरोप :** मामला सेमरिया थाना अंतर्गत शाहपुर चौकी क्षेत्र स्थिति बीड़ा बेलहा गांव का है यहां पर रहने वाले राहुल शुक्ला की 60 वर्षीय मां बुधना बाई 5 माह पूर्व 06/05/2024 उसके मामा रामशिरोमणि त्रिपाठी उसके घर पहुंचें और कर्ज दिए गए पैसों की डिमांड करने लगे उस दौरान वह अपने घर पर ही मौजूद था उसे लगा की कही उसके मामा और उसके पिता के बीच विवाद न खड़ा हो जाए

विवाद से बचने के लिए उसने अपने पिता को घर से बाहर भेज दिया और ट्रेक्टर लेकर कर खुद घर से चला आया इसके बाद जब वह शाम को वापस घर गया तो पता चला की उसके मामा मां को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गए और साथ ही मां के पास रखे 5 लाख के जेवर और तकरीबन 30 हजार नगद रुपए भी अपने साथ ले गए.

**फरियादी बेटे ने कहा मां को मामा ने छिपाया :** फरियादी राहुल मिश्रा ने अपने मामा रामशिरोमणि त्रिपाठी को फोन किया और अपनी मा के बारे में जानकारी मांगी तो उसने इनकार कर दिया की उसकी मां उसके पास नही है और दोबारा पेसो की डिमांड करने लगा फरियादी राहुल मिश्रा का कहना है की घटना के बाद वह शिकायत करने शाहपुर थाने पहुंचा था. आज 5 माह बीत जानें के बाद भी पुलिस उसकी मां की तलाश नही कर पाई. फरियादि का कहना है की उसकी मां को बोलने और सुनने में दिक्कत होती है उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नही है उसके मामा ने उसकी मां को कही छिपाकर कर रखा है.

**5 महीने से पुलिस की चक्कर काट रहा बेटा, एसपी ने दिया अश्वासन :** लापता मां की तलाश फरियादी बेटा पीछले 5 महीने से पुलिस के चक्कर लगा रहा है लेकिन पुलिस को अबतक कोई सुराग नही मिल पाया. बेटे ने थक हारकर आज पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है. उसका कहना है की पुलिस अधिक्षक विवेक सिंह ने उसे अश्वासन दिया है पुलिस उसकी मां का पता लगाने में पूरी मदद करेगी.

बेटे ने रखा 10 हजार का इनाम

पीछले 5 माह से मां की तलाश में फरियादी बेटे ने कई बार थाने के चक्कर लगाए थक हारकर उसने आज 10 हजार का इनाम भी घोषित कर दीया उसका कहना है की जो भी उसके मां खोज करेगा वह उसका नाम गोपनीय रखते हुए उसे 10 हजार का इनाम देगा.

बेटे का आरोप है कि उसकी मां को 5 माह पहले उसके मामा उसे बहला फुसलाकर उसे अपने साथ ले गए जबकि पूछताछ में उसके मामा का कहना है उसकी बहन भांजे के पास है उन्होने कही छिपाकर रखा है. मामले की सीडीआर सेमरिया थाने सी ले गई है जांच की जा रहीं है. **पीएस त्रिपाठी,** चौकी प्रभारी शाहपुर

# बिजली को लेकर पावर हाउस में जनपद सदस्य ने दिया धरना

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** जिले के त्यौंथर तहसील क्षेत्र में इन दिनों जनता बिजली की समस्या से जूझ रही है तथा लाइट ट्रिपिंग और अघोषित बिजली कटौती के चलते आमजनमानस का बुरा हाल है जिसके कारण क्षेत्र की जनता ने समाजसेवी और जनपद सदस्य वेद प्रकाश तिवारी के साथ मिलकर पावर हाउस में ही धरना प्रदर्शन कर दिया जिसके बाद अधिकारियों की समझाइश पर करीब 5 घंटे तक चले धरना प्रदर्शन को बंद कराया गया।

दरअसल क्षेत्र में बीते कई दिनों से बिजली की अघोषित कटौती की जा रही है जिसको लेकर जनता परेशान है और लगातार अघोषित बिजली कटौती को लेकर लोगों के द्वारा विद्युत विभाग के अधिकारियों से शिकायत की जा रही है मगर उनकी समस्या की निराकरण को लेकर विभागीय अमला चुप्पी साधे है जिसके चलते पावरहाउस पहुंच कर धरना प्रदर्शन कर दिया। मामले को लेकर क्षेत्र के जनपद सदस्य वेद प्रकाश तिवारी का कहना अगर बिजली विभाग का यही रवैया रहा तो वह आगे आने वाले समय में वह उग्र आंदोलन भी करेंगे।

## एक लाख-एक साथ-एक पेड़ मां के नाम

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सभी आँगनवाड़ी केन्द्र पर 31.08.2024 को प्रातः 10 से 11.30 बजे के बीच में पौधरोपण का कार्य किया गया है। साथ ही जिला, परियोजना, सेक्टर स्तर पर भी पौधरोपण किया गया, जिसमें स्थानीय प्रतिनिधि, शासकीय अमले एवं जन समुदाय की उपस्थिति रही।

# शांति समिति की बैठक 2 को

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** अपर कलेक्टर राजेश शाही ने जानकारी देकर बताया है कि दिनांक 07.09.2024 को गणेश चतुर्थी, 16.09.2024 को मिलाद-उन-नवी, 03.10.2024 को दुर्गा मूर्ति स्थापना, 12.10.2024 को दशहरा विजयदशमी एवं 31.10.2024 को दीपावली का त्यौहार शान्ति पूर्ण ढंग से मनाये जाने हेतु दिनांक 02.09.2024 को दोपहर 01 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई है। उन्होने सभी संबंधितों को सूचित किया है कि नियत दिनांक, समय व स्थान पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

# नाबालिग लड़के को मुर्गा बनाकर पीटा, कूकड़ूकूं नहीं बोलने पर बेरहमी से मारा, वीडियो वायरल

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)।** शहडोल में एक नाबालिग युवक को बेरहमी से पीटने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में मारपीट करने वाले अधिकांश लड़के भी नाबालिग दिख रहे हैं।

दरअसल, दो पक्षों में विवाद के बाद कुछ लड़कों ने एक लड़के को मिलकर पीटा, इसके बाद उसे कान पकड़कर मुर्गा बना दिया। लड़के को मुर्गा बनाने के बाद पास में ही खड़ा एक लड़का उससे कूकड़ूकूं बोलने के लिए कहने लगा। जब पीड़ित लड़का कूकड़ूकूं नहीं बोल पाया तो बेरहमी से उसे लात मारकर गिरा दिया। इसके बाद बाइक स्टार्ट कर लड़के भाग निकले।

घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एफसीआई गोदाम के पास झाड़ियों की बताई जा रही है। कोतवाली पुलिस के अनुसार यह वीडियो लगभग तीन से चार दिन पुराना है। विवाद के कारणों का अभी पूरी तरह से पता नहीं चल सका है। किशोर के साथ जहां मारपीट की गई वह रिहाइसी क्षेत्र से कुछ ही दूरी पर है। कोतवाली थाना क्षेत्र का यह पूरा घटनाक्रम है, वह एरिया सेंसिटिव एरिया है। पुलिस की पेट्रोलिंग पर भी यह घटना ने सवाल खड़ा कर दिया है। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लिया और फरियादी किशोर की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस ने पता लगा लिया है कि किशोर कहां का रहने वाला है।

# कोटागुंजापुर में डिलीवरी के बाद मां-बेटी की मौत , इलाज न मिलने से गई जान

**मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)।** पन्ना जिले से करीब 17 किलोमीटर दूर पीटीआर के घने जंगलों के बीच बसे सड़क विहीन गांव कोटागुंजापुर से जच्चा बच्चा की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने न तो एम्बुलेंस को फोन लगाया और न अस्पताल लेकर गए। जिससे महिला ने घर पर ही बच्ची को जन्म दिया और इलाज के अभाव

में कुछ समय बाद गुरुवार देर रात जच्चा बच्चा की मौत हो गई। वहीं अब परिजन पन्ना टाइगर रिजर्व प्रबंधन पर गांव का पुराना रास्ता बंद करने का आरोप लगा रहे हैं।

दरअसल, पन्ना टाइगर रिजर्व से लगे गांव कोटागुंजापुर की निवासी नंदरानी गौंड पिता गरीबा गौंड की गुरुवार देर रात मौत हो गई। महिला 9 माह की गर्भवती थी। जिसे गुरुवार शाम प्रसव पीड़ा हुई। लेकिन गांव तक रास्ता न होने की वजह से परिजन उसे अस्पताल तक नहीं पहुंचा सके। जिससे प्रसूता ने घर में ही बच्ची को जन्म दिया। कुछ समय बाद दोनों की मौत हो गई। जिसका अंतिम संस्कार शुक्रवार को किया गया है। नंदरानी के पिता गरीबा गौंड ने बताया कि उनकी बेटी नंदरानी दो दिन पहले ही अपने ससुराल रामनगर से अपने मायके आई थी। वह 9 माह की गर्भवती थी। गुरुवार रात पेट मे दर्द उठा। लेकिन हम लोगों एम्बुलेंस को फोन नहीं किया।

# मानचित्र को साथ लेकर पढ़ना ज्यादा कारगर

## जिला पंजीयक ने किया छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जनपद पंचायत सीधी के सभागार में संचालित निरूशुल्क कोचिंग के छात्र-छात्राओं से चर्चा करते हुए जिला पंजीयक अभिषेक सिंह बघेल ने कहा कि मानचित्र साथ लेकर पढ़ना ज्यादा कारगर होता है। भूगोल के साथ -साथ इतिहास, राजनीतिक परिदृश्य, अर्थव्यवस्था, समसामयिक घटनाओं आदि को पढ़ने में मानचित्र बहुत उपयोगी होते हैं। इस दौरान निःशुल्क कोचिंग क्लासेस की सहायक संचालक किरण भारती, शिक्षिका दीक्षा लोधी, ईरीना बघेल और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। जिला पंजीयक ने कहा कि पढ़े गए टॉपिक के शॉर्ट नोट्स बनाते चले और साथ में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का भी अभ्यास करते रहें। उन्होंने करंट अफेयर्स पढ़ने का तरीका बताते हुए कहा कि वर्तमान में घटित घटनाओं पर नजर रखें, जैसे

हाल ही में संपन्न ओलंपिक में भारत ने कितने पदक प्राप्त किए, इस तरह की जानकारी होना चाहिए। इसी तरह हाल ही में भारत में लोकसभा चुनाव संपन्न हुए है। हमें इससे संबंधित संवैधानिक प्रावधानो और चुनाव आयोग के बारे में जानकारी होना चाहिए। इसी तरह हमारे पड़ोसी देशों की हलचल पर भी नजर बनाए रखनी चाहिए, जैसे कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन पर क्योंकि सत्ता परिवर्तन होने से इसका प्रभाव प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से भारत पर भी देखने को मिलेगा। अपर कलेक्टर राजेश शाही की निगरानी में निःशुल्क कोचिंग क्लासेस नियमित संचालित हो रही हैं। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा के डायरेक्टर परीक्षित भारती के सहयोग से निरूशुल्क कोचिंग क्लासेस निरंतर संचालित हो रही है। जिसका जरूरतमंद छात्र-छात्राएं लाभ उठा रहे हैं।

# एमपी से बही महिला का यूपी में मिला शव

**मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)।**जिले के अजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बलदू पुरवा में गुरुवार की शाम एक महिला नाले के तेज बहाव में बह गई थी। जिसकी तलाश के लिए शुक्रवार सुबह से एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू शुरू किया। लेकिन देर शाम तक महिला का कुछ पता नहीं चला।

शनिवार सुबह से एक बार फिर रेस्क्यू शुरू किया गया और करीब 4.30 बजे घटनास्थल से 8 किलोमीटर दूर यूपी की सीमा पर महिला का शव बरामद किया गया। जिसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने महिला का शव पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। जानकारी के अनुसार अजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदौरा पुलिस चौकी के ग्राम बलदू पुरवा निवासी सुमन राजपूत (25) गुरुवार की शाम गांव के पास नाले के नजदीक मवेशियों के लिए चारा काट रही थी। इसी दौरान चारा को नाले के एक तरफ से दूसरे तरफ ले जाते समय पानी का तेज बहाव आ गया और महिला बह गई।

जानकारी लगते ही परिजन ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लेकिन देर शाम हो जाने की वजह से कुछ पता नहीं चला। शुक्रवार की सुबह पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। दिनभर चले रेस्क्यू के बाद शाम तक नाले में गोताखोरों को टीम ने महिला की तलाश की, लेकिन महिला कुछ पता नहीं चला।

# विचार

## अराजक राजनीति से अपराध के दलदल में भद्रलोक

बंकिम चंद्र की शस्य-श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल एक शक्ति-पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती हर साल मां दुर्गा के स्वागत में विभोर हो जाती है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान किस प्रकार की परंपरा का हिस्सा रहा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। मूर्तियों को बनाने के लिए सबसे पहले उन वेश्याओं के घर से मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें समाज आम तौर पर त्याज्य और गंदा मानता है। इस प्रकार बंगाल की धरती कितनी नारी-पूजक रही है, यह स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में भी देखने को मिलता है, जो अन्य राज्यों में कम ही मिलता है। स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई और अपने ज्ञान व संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थीं। पहली थीं अरुणा गांगुली, जिन्होंने बाद में अरुणा आसफ अली का नाम अपनाया। दूसरी थीं सुचेता मजूमदार, जो सुचेता कृपलानी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। तीसरी थीं सरोजिनी चट्टोपाध्याय, जिन्होंने बाद में भारत कोकिला सरोजिनी नायडू का नाम पाया।

बंगाल की माटी ने महिलाओं को कितना सम्मान दिया, इसका एक और उदाहरण कमला देवी चट्टोपाध्याय हैं। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूंघट के पीछे सिर्फ परिवार के काम में व्यस्त थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान और अवसर दिए। बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी।

अब स्थिति बदल गई है। इसका एक उदाहरण हाल ही में राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना है। स्वतंत्रता की 77वीं सालगिरह की रात, जब पूरा देश उत्सव में था, कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की बर्बरतापूर्वक बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। बंगाल में देर रात तक दफ्तर से लौटने वाली लड़कियों की कभी चिंता नहीं होती थी, लेकिन अब लोग अपनी बच्चियों के लिए चिंतित हो गए हैं। यह बंगाल में महिला के खिलाफ ऐसी बर्बरता की शायद पहली घटना है। इससे बंगाली समाज का क्रोध और क्षोभ स्वाभाविक है। दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल इकलौता ऐसा राज्य है, जिसे महिला मुख्यमंत्री का गौरव प्राप्त है। एक महिला के शासन में इस प्रकार का दुराचार लोगों के लिए असहनीय है।

# कोलकाता रेप-मर्डर केस ने एक बार फिर हमारी प्रशासनिक कमजोरियों को उजागर कर दिया, आखिर ऐसा कब तक?

**कमलेश पांडे**

***दिल्ली निर्भया बलात्कार हत्याकांड के लगभग 12 वर्ष बाद कोलकाता रेप-मर्डर केस की पुनरावृत्ति भारतीय जनतांत्रिक प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ा करती है। वहीं, इन दोनों मामलों को जरूरत से ज्यादा तूल देने और अन्य समकक्ष घटनाओं की उपेक्षा करने में हमारे राजनेताओं और मीडिया की भूमिका भी संदेह के कठघरे में है! कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर की रेप और हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल में जिस तरह की राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ी हुई हैं, उससे हर कोई भयभीत नहीं तो चिंतित अवश्य लग रहा है, यौंकि यह सबकुछ भारत की सांस्कृतिक राजधानी कहे जाने वाले कोलकाता में घट रहा है, जिससे देर-सबेर हमारी संस्कृति भी अछूती नहीं बचेगी।***

लिहाजा, सुलगता हुआ सवाल यह है कि आखिर में ऐसी बदसूरत घटनाएं कब तक थमेंगी? और यदि नहीं रुकेंगी तो फिर समकालीन संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था की जरूरत ही क्या है? क्योंकि यह व्यवस्था सबके वेतन-भत्ते की गारंटी तो देता है, लेकिन किसी भी बड़ी या छोटी लापरवाही के बाद जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय नहीं करता है! यही वजह है कि सत्ताधारी वर्ग मजे में रहता है और जनता बिल्कुल अनाथ की मानिंद। इसलिए अकसर यह सवाल जेहन में उठता है कि आखिर में क्यों नहीं उस वैकल्पिक प्रशासनिक व्यवस्था पर विचार किया जाए, जहां इस तरह के जघन्य अपराध करने की हिमाकत ही कोई कर नहीं पाए। क्या यह संभव है? नई विश्व व्यवस्था के नजरिए से कतई असंभव नहीं है। आपने देखा होगा कि एक ओर तृणमूल कांग्रेस नेत्री और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कह चुकी हैं कि पश्चिम बंगाल में आग लगाने की साज़िश हो रही है। अगर पश्चिम बंगाल जलेगा तो असम, पूर्वोत्तर राज्य, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और दिल्ली भी जलेंगे। वहीं, दूसरी ओर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का बयान आया है कि चिंतित हूँ और डरी हुई हूँ। इससे इस मामले की गम्भीरता और ज्यादा बढ़ चुकी है। सबको अंदेशा है कि पश्चिम बंगाल की नाजुक परिस्थितियों के मद्देनजर वहां पर कभी भी राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है, जो जरूरी भी है, वहां के निरन्तर घट रहे घटनाओं के मद्देनजर। विरोध-प्रदर्शन, बंद और हिंसा की घटनाओं के बीच प्रदेश के राज्यपाल सीवी आनंद बोस जब दिल्ली के लिए रवाना हो गए, तो इससे इन अटकलों को और अधिक बल मिला है। बता दें कि गत गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुकांता मजूमदार और वरिष्ठ नेताओं ने राज्यपाल से मुलाक़ात कर एक ज्ञापन सौंपा था और उनसे %अनुरोध% किया था कि वह पश्चिम बंगाल में %संवैधानिक मूल्यों की रक्षा% करें। इससे पहले गत 27 अगस्त को राज्यपाल ने भी एक बयान जारी कर %पश्चिम बंग छात्र समाज% के बुलाए गए %नबन्ना मार्च% (सचिवालय पर प्रदर्शन) के दौरान हुई हिंसा को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की थी। लिहाजा, यहां पर एक और सुलगता हुआ सवाल उठता है कि क्या दिल्ली की जमी-जमाई मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को निर्भया कांड की आड़ में %निपटाने% योग्य माहौल बनाने के बाद अब बंगाल की जमी-जमाई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी कोलकाता दुष्कर्म हत्याकांड के बहाने %निपटाने% योग्य माहौल बनाने की जिम्मेदारी कतिपय लोगों ने ले ली है, जैसा कि मीडिया के माहौल को देखकर प्रतीत हो रहा है। या फिर यह सब एक लोकतांत्रिक दस्तूर बन चुका है, जो किसी भी घटना के बाद नजर आता है। आखिर यह कौन नहीं जानता कि देश में चल रहे तमाम तरह के संगठित अपराधों को सत्ताधारी दल और प्रशासनिक महकमे के असरदार लॉबी का परोक्ष शह प्राप्त होता है, जिसकी कड़ी से जुड़े लोग यदा-कदा जघन्य से जघन्य अपराध करने तक से भी कोई गुरेज नहीं करते। इस पूरे प्रकरण में डॉ घोष की चर्चित भूमिका के दृष्टिगत यहां भी कुछ ऐसा ही प्रतीत हो रहा है। इसलिए पुन: यही बात उठी है कि लोकतंत्र और बहुमत जुगाड़ के नाम पर हमारे सत्ताधारी नेता ऐसे तत्वों के खिलाफ आखिर कबतक अपने मुंह बन्द रखेंगे? क्योंकि जब वो विपक्ष में होते हैं तो ऐसे तत्वों के खिलाफ खूब बोलते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें सांप सूंघ जाता है और ऐसे तत्वों के खिलाफ खामोशी की चादर ओढ़ लेते हैं। इसलिए अब एक ऐसी पारदर्शी व्यवस्था की जरूरत है जहां लोकतंत्र और बहुमत के जुगाड़ के खातिर कोई भी सियासी या सामाजिक व्यक्ति गलत को नजरअंदाज करने की हिमाकत ही नहीं कर पाए और यदि करे भी तो उसकी भारी कीमत चुकाने के लिए तैयार रहे। ऐसी व्यवस्था अभी तो सम्भव प्रतीत नहीं होती! वहीं, पश्चिम बंगाल की राजनीति पर नज़र रखने वाले बताते हैं कि मुख्यमंत्री के हालिया अटपटे बयानों से यह प्रतीत हो रहा है कि आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में बलात्कार और हत्या की घटना के बाद आम लोगों में पनपे आक्रोश से ममता बनर्जी दबाव में हैं। उन्हें इतने दबाव में पहली बार देखा जा रहा है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें लगता है कि वह इससे जल्द ही उबर जाएंगी। ये सही है कि ये पहली बार नहीं है, जब ममता बनर्जी को आंदोलन का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन वो मानते हैं कि इस बार वो दबाव में इसलिए दिख रही हैं क्योंकि आम लोगों के बीच उनके शासन चलाने के तरीक़े की आलोचना हो रही है। खासकर महिलाओं के ख़िलाफ़ अपराध को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार का ये रिकॉर्ड नहीं रहा है कि उसने किसी पीड़िता को इंसाफ़ दिलवाया हो या फिर इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने वालों को कभी क़ानूनी शिकंजे में जकड़ा हो। इसलिए आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना के बाद आम लोगों और ख़ास तौर पर आम महिलाओं का ग़ुस्सा फूट पड़ा, जिसका तृणमूल कांग्रेस के बड़े नेताओं, राज्य सरकार या ख़ुद ममता बनर्जी को अंदाज़ा नहीं था। बताया गया है कि जिस तरह से कोलकाता पुलिस की भूमिका इस मामले को लेकर रही, जैसे एफ़आईआर दर्ज करने में देरी, पीड़िता के माता-पिता को ग़लत जानकारी दिया जाना या फिर घटना में %सिविल वॉलंटियर% का शामिल होना-ये सब लोगों के ग़ुस्से को बढ़ाता रहा। कई चीज़ें एक साथ हुईं। जैसे मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और अन्य वरिष्ठ प्रशासकों की भूमिका। फिर अभियुक्त संजय राय पुलिस का ही हिस्सा है, बतौर एक सिविल वॉलंटियर। फिर 14 और 15 अगस्त की दरमियानी रात में आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में विरोध कर रहे जूनियर डॉक्टरों पर जो भीड़ का हमला हुआ, उससे कोलकाता पुलिस की छवि तो ख़राब हुई ही साथ ही पश्चिम बंगाल सरकार भी आम लोगों के सवालों के घेरे में आ गई।

एक ओर कोलकाता रेप-मर्डर केस के बाद भाजपा सड़कों पर है तो इस मामले पर ममता की पार्टी में बाग़ी रुख़ के बीच अभिषेक बनर्जी की चुप्पी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। कोलकाता में ममता सरकार के ख़िलाफ़ विरोध-प्रदर्शन लगातार जारी है। पीड़िता के परिवार और जूनियर डॉक्टरों के आक्रोश के बावजूद आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष पर प्रशासनिक कार्रवाई ना करते हुए, उनको कोलकाता नेशनल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का प्रिंसिपल बना दिया गया। वो भी तब जब उनके ख़िलाफ़ %प्रशासनिक अनियमितताओं% के आरोपों की लिखित शिकायत राज्य सरकार के पास मौजूद थी।

यही वजह है कि पश्चिम बंगाल सरकार के रुख़ को लेकर कोलकाता हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी तल्ख टिप्पणियां कीं। इससे लोगों के बीच राज्य सरकार और ममता बनर्जी को लेकर आक्रोश भड़क गया। ऐसा पहली बार भी हुआ है कि आम लोगों के साथ-साथ, अलग-अलग ही सही, सभी विपक्षी दल, जैसे कांग्रेस और वाम दलों ने भी ममता बनर्जी के ख़िलाफ़ इस घटना के बाद मोर्चा संभाला। दरअसल प्रशासन के ख़िलाफ़ लोगों का जो ग़ुस्सा फूट पड़ा, वह सिर्फ़ एक घटना की वजह से नहीं है बल्कि कई मुद्दे हैं, जिनको लेकर लोगों में आक्रोश पहले से ही पनप रहा था। जानकार बताते हैं कि पार्टी के अंदर ही अभिषेक बनर्जी ने कई बार यह मुद्दा उठाया कि राज्य प्रशासन ठीक से काम नहीं कर रहा है। प्रशासन जिस तरह से चल रहा है, उसको लेकर भी लोगों में पहले से ही ग़ुस्सा था। जैसे जन प्रतिनिधियों की थाना प्रभारियों और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के सामने कुछ चलती ही नहीं थी।वैसे देखा जाए तो पश्चिम बंगाल में लोगों का राजनीतिक दलों पर से ही भरोसा कम होता जा रहा है। क्योंकि किसी भी राजनीतिक दल के नेताओं की भाषा अगर आप सुनें तो एक तरह से उकसाने वाली भाषा बोलते हैं। पहले ये आरोप वाम दलों पर लगते थे

# अमेरिकी स्वप्न का अंत निकट तो नहीं

**प्रह्लाद सबनानी**

अमेरिका विश्व के लगभग समस्त देशों पर अपनी चौधराहट सफलतापूर्वक लागू करता रहा है। पूरे विश्व में, एक तरह से लगभग समस्त क्षेत्रों में, विभिन्न प्रकार की नीतियों को प्रभावित करने में अमेरिका सफल रहा है एवं इस प्रकार अपनी प्रसारवादी नीतियों को भी लागू करता रहा है। परंतु, हाल ही के वर्षों में अमेरिका की आंतरिक स्थिति, लगभग समस्त क्षेत्रों यथा आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आदि, में लगातार बिगड़ती जा रही है। अमेरिका सहित विकसित देशों की, आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में, आंतरिक स्थिति को देखते हुए अब तो पश्चिमी सभ्यता पर ही प्रश्न चिन्ह लगने लगे हैं। अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों में आर्थिक विपन्नता एवं परिवार तथा समाज के खंड खंड होने के बाद पश्चिमी सभ्यता को पतित सभ्यता कहा जाने लगा है और इसे अब अमेरिकी स्वप्न के अंत की शुरुआत भी माना जाने लगा है। अमेरिका में तो राष्ट्रीय ऋण 35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था का आकार, सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर, लगभग 25 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। इसका आश्य यह है कि आय की तुलना में ऋण अधिक ले लिया गया है। अमेरिकी वित्त व्यवस्था पर दबाव इतना अधिक बढ़ गया है कि अमेरिकी सरकार को अपने सामान्य खर्चों को चलाने के लिए भी बाजार से और अधिक ऋण लेने की आवश्यकता पड़ती है और इस उद्देश्य से प्रति वर्ष अमेरिकी संसद में स्वीकृति प्राप्त करने हेतु पहुंचना होता है। यह स्थिति है विश्व के सबसे अधिक शक्तिशाली देश अमेरिका की। वर्ष 1776 में जब पूंजीवाद के जनक कहे जाने वाले एडम

स्मिथ ने अपनी कृति ॐद वेल्थ आफ नेशनस नामक किताब जारी की थी उस समय पूंजीवाद अपने शैशावस्था में ही था। उनका महत्वपूर्ण मुख्य सिद्धांत था कि व्यवसायी, जो अपनी लाभप्रदता को अधिकतम करना चाहते हैं, वे अपने व्यवसाय को बहुत ही कुशलता के साथ चलाना चाहते हैं। इस तरह ये व्यवसायी न केवल अपने आप को धनाडय बनाएंगे बल्कि वह देश इन धनाडयों के संसाधनों को जोड़कर स्वयं भी एक धनी देश बन जाएगा। पूरी 19वीं शताब्दी एवं 20वीं शताब्दी में अमेरिका इसी सिद्धांत पर कार्य करता रहा है एवं अपने देश में धनाडयों की संख्या में अपार वृद्धि करता रहा है। इससे अमेरिकी नागरिकों में व्यक्तिवाद पनपा एवं वे परिवार एवं समाज के भले को भूलकर केवल अपने बारे में ही सोचने लगे एवं अपने व्यापार को पूरे विश्व में फैलाने लगे। इससे अमेरिका में गरीबों की संख्या में लगातार वृद्धि होती रही। अमेरिका की 1940 के दशक में पूरे विश्व के विनिर्माण क्षेत्र में 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी हो गई थी, परंतु अब यह घटकर 17 प्रतिशत से भी कम हो गई है। कई उद्योगों के मामले में उत्पादन का जो एकाधिकार अमेरिका के पास होता था वह एकाधिकार अब अन्य देशों के पास चला गया है। अमेरिकी कम्पनियों ने कुशल कर्मचारियों को आकर्षित करने के उद्देश्य से कर्मचारियों के स्वास्थ्य खर्चे की पूरी लागत स्वयं वहन करना प्रारम्भ किया था। अमेरिका में श्रम लागत भी बहुत अधिक बढ़ चुकी थी, अन्य देशों में श्रमिक, अमेरिकी श्रम लागत की तुलना में, आधी से भी कम राशि में ही काम करने को तैयार हो रहे थे। इस बीच अमेरिकी सरकार ने आय कर की दरें भी बढ़ाकर 35 प्रतिशत से अधिक कर दी थीं। जबकि अन्य देशों में आय कर की दरें 20/25 प्रतिशत थीं। इससे अमेरिका में विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत बढ़ने लगी। अत: धीरे धीरे अमेरिका में विनिर्माण इकाईयां बंद होने लगीं। वर्ष 1979 में अमेरिका में 20 प्रतिशत श्रमिक विनिर्माण इकाईयों में कार्यरत थे अब यह संख्या घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो गई है। अमेरिका में 2 करोड़ कर्मचारी विनिर्माण इकाईयों में कार्य कर रहे थे जो घटकर 1 करोड़ 20 लाख हो गए हैं। अमेरिका में जब प्रथम राष्ट्रपति ने शपथ ली थी उस समय 10 श्रमिकों में से 9 श्रमिक कृषि क्षेत्र में कार्यरत थे (छोटे कृषक) जबकि आज केवल 2 प्रतिशत श्रमिक ही कृषि क्षेत्र में कार्य करते हैं। इस प्रकार अमेरिका में रोजगार की दृष्टि से कृषि एवं उद्योग क्षेत्र में बहुत अधिक संकुचन हुआ है। 1950 के दशक से लेकर अमेरिका में स्टील उद्योग, कपड़ा उद्योग (वस्त्र, परिधान एवं टेक्सटाइल), उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग लगभग समाप्त से हो गए हैं। वाहन उद्योग के क्षेत्र की बड़ी बड़ी कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां चीन आदि देशों में स्थापित की हैं। साथ ही, जापान की कई कम्पनियों ने वाहन के क्षेत्र में अमेरिका में आकर अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना की है। इस प्रकार, कुल मिलाकर उक्त उद्योगों में अमेरिकी मूल के नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर बहुत कम हो गए हैं अथवा बिलकुल ही समाप्त हो गए हैं। अमेरिका में उपयोग हो रहे स्मार्ट सेल फोन के 50 प्रतिशत से अधिक उपकरण आयात किए जा रहे हैं एवं इनका उत्पादन अमेरिका में नहीं हो रहा है। ब्यूरो आफ लेबर स्टेटिस्टिक्स- मासिक लेबर रिव्यू दिसम्बर 2016 के अनुसार, अमेरिका में प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर- वर्ष 1947 में 5.35 अमेरिकी डॉलर थी जो वर्ष 1973 में बढ़कर 9.26 अमेरिकी डॉलर हो गई। परंतु, उसके बाद से लगभग उसी स्तर पर बनी हुई है जो वर्ष 2015 में 9.07 अमेरिकी डॉलर थी। वर्ष 1947 से 1973 के बीच प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर 73 प्रतिशत से बढ़ी थी जबकि इसी दौरान उत्पादकता में 95 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वहीं वर्ष 1973 से 2015 के बीच प्रति घंटा वास्तविक मजदूरी दर 3 प्रतिशत कम हुई है और उत्पादकता 109 प्रतिशत बढ़ी है। इस बीच रोजगार के नए अधिकतम अवसर उच्च मजदूरी वाले क्षेत्रों से घटकर कम मजदूरी वाले क्षेत्रों में बढ़े हैं। जैसे विनिर्माण इकाईयों के बंद होने से भारी संख्या में श्रमिक वर्ग को सेवा क्षेत्र में कम मजदूरी के रोजगार स्वीकार करने पड़े है। वर्ष 1979 के बाद से 40 प्रतिशत से अधिक रोजगार के अवसर विनिर्माण क्षेत्र में कम हुए हैं। साथ ही, तकनीकी विकास ने भी उत्पादकता तो बढ़ाई है परंतु मजदूरी की दरें नहीं बढ़ पाई हैं। अमेरिका में समय के साथ साथ विनिर्माण इकाईयां बंद होती गईं एवं उच्च तकनीकी, सूचना आधारित सेवा क्षेत्र में, सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र में, रोजगार के अधिक अवसर उभरते गए। अब तो बहिस्त्रोतन (आउट्सॉर्सिंग) के चलते सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों पर विपरीत प्रभाव पड़ता दिखाई दे रहा है। अत: अमेरिका में आने वाले समय में विनिर्माण इकाईयों के साथ साथ सेवा क्षेत्र में भी रोजगार के अवसरों में कमी आ सकती है। उक्त कारणों के चलते अमेरिका में गरीबी की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। गरीबी के चलते इस वर्ग के बच्चों को शिक्षा नहीं मिल पाती है, यह वर्ग बहुत ही तंग हालत में रहता है एवं अंतत: सामाजिक अपराधी गतिविधियों में संलग्न हो जाता है।

# जिंदा लौटीं 'मृत' पत्नी और 2 बेटियां, सालभर पहले पति ने किया था तीन लाशों का अंतिम संस्कार, राजस्थान में बंधक थीं तीनों

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले की 'मृत' महिला और 2 बेटियां एक साल बाद जिंदा लौट आई हैं। हैरानी की बात ये है कि एक साल पहले रायगढ़ में एक महिला और 2 बच्चियों की लाश मिली थी, जिसे अपनी पत्नी और बेटी समझकर अबुल हसन अंतिम संस्कार कर चुका है। पूरा मामला पस्ता थाना क्षेत्र के बासेन का है।

8 अगस्त 2023 को पति से विवाद के बाद राबिया (35) बिना बताए दोनों बेटियों सीजरा परवीन (6) और गुलस्ता परवीन (3) को लेकर राजस्थान चली गई थी। जहां तीनों को बंधक बनाकर काम लिया जा रहा था। अब महिला एक महीने पहले लौटी है। पुलिस अब उन 3 लाशों के बारे में सोच रही है, जिनका अंतिम संस्कार किया गया है।

**हसन ने शक के बीच शवों की पुष्टि की थी:** अबुल हसन के मुताबिक पत्नी और बच्ची की कद काठी और रंग होने से पहचान की, लेकिन उसे शक था कि ये उसकी पत्नी बेटियां नहीं हैं। शव सड़े-गले हालत में थे, जिससे आसानी से पहचान करना मुमकिन नहीं था। ऐसे में अबुल ने तीनों शवों को अपनी पत्नी और बेटी की होने की शंकाओं के बीच पुष्टि की।

अबुल हसन ने बताया कि पुलिस जब पोस्टमॉर्टम कराकर तीनों लाशों को सौंपी, तो उसने अंतिम संस्कार कर दिया। इसके बाद वह घर लौटकर आ गया और अपने 2 और बच्चों के साथ रहने लगा। अब 4 महीने पहले महिला अपने मायके झारखंड पहुंची। वहां से 1 महीने पहले अपने पति के पास लौटी।

**विवाद और आर्थिक तंगी से तंग राजस्थान चली गई:** महिला ने बताया कि पति से विवाद होने के बाद वह अंबिकापुर आ गई। कुछ दलालों ने उसे बच्चों सहित ट्रेन के जरिए राजस्थान पहुंचा दिया। जहां वह बंधक बना ली गई। वहां उसे काम के पर्याप्त पैसे भी नहीं मिले।

महिला ने बताया कि किसी तरह वहां से बच्चों को लेकर भाग निकली और झारखंड पहुंची। एक माह पहले मायके वालों ने पति के पास पहुंचाया। अब वह पिछले एक महीने से अपने पति के साथ रही है। तीनों के घर लौटने से परिवार में खुशी का माहौल है।

**पति ने पुलिस को दी तीनों के लौटने की जानकारी:** अबुल हसन की पत्नी और बच्चियों के लौटने की खबर ग्रामीण इलाकों में तेजी से फैल गई। लोगों में चर्चा थी कि इसकी पत्नी और बेटियों की मौत हो गई थी तो जिंदा कैसे हैं ये लोग। इस तरह की बात हर किसी के जुबान पर थी, हर कोई सवाल करने लगा था। इसके बाद पति ने मामले की जानकारी पस्ता थाने को दी। इसके बाद पस्ता पुलिस और अबुल हसन ने रायगढ़ पुलिस को सूचना दी। रायगढ़ पुलिस ने कुसमी पहुंचकर इसकी शिनाख्त भी की। रायगढ़ पुलिस के लिए परेशानी बढ़ गई है कि खरसिया में मिले महिला और बच्चियों के शव किसके थे। इस केस को सुलझाने में पुलिस के पसीने छूट रहे हैं।

**शवों के पहचान की फिर होगी कोशिश:** रायगढ़ एएसपी आकाश मरकाम ने कहा कि खरसिया में एक साल पहले मिले शवों की शिनाख्त अबुल हसन ने की थी। अब उसकी पत्नी और दोनों बेटियां लौट आई हैं। एक सप्ताह पहले ही इसकी सूचना मिली। रायगढ़ पुलिस ने इसकी जांच कर ली है। अब खरसिया की नदी में मिले शवों की पहचान की कोशिश फिर से की जाएगी।

## 3 साल की बच्ची को तेंदुए ने मारा, 25 दिन में 2 बच्चियों का शिकार

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ के धमतरी में तेंदुए ने एक 3 साल की बच्ची को मार डाला। मासूम घर के आंगन पर खेल रही थी, तभी तेंदुए ने अटैक कर करीब 100 मीटर तक घसीटते ले गया। इस दौरान घर पर मौजूद माता-पिता ने चीख पुकार मचाई।

लोगों के पहुंचने पर तेंदुआ बच्ची को छोड़कर भाग निकला, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पूरा मामला सांकरा रेंज के दरीपारा गांव का है।

बता दें 25 दिन के भीतर तेंदुए के अटैक की ये दूसरी घटना है। इससे पहले बिरगुड़ी रेंज में भी एक बच्ची को उठा ले गया था। 2 दिन बाद उसके अवशेष मिले थे।

वन विभाग के मुताबिक संतोष कुमार की बेटी को तेंदुआ शिकार बनाया है। ग्रामीणों की सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वन अमला अभी भी गांव में डटा हुआ है। ग्रामीणों को हिदायत दी जा रही है कि वह घर से बाहर न निकलें।

वन विभाग ने कहा कि बच्ची के परिजनों को सहायता राशि दी जाएगी। साथ ही तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम अलग-अलग जगहों पर लगी है, अलग-अलग जगहों पर जाल बिछाए गए हैं। टीम का कहना है कि तेंदुए को पकड़कर दूसरे इलाके में छोड़ेंगे।बता दें कि 6 अगस्त को बिरगुड़ी रेंज के अंतिम छोर दुधवा बांध से लगे ग्राम कोरमुड़ गांव में 3 साल की मासूम बच्ची को उठा ले गया था। 2 दिनों तक ग्रामीण सहित वन विभाग की टीम ढूंढती रही। 2 दिन बाद पहाड़ी से बच्ची के अवशेष मिले थे। बताया जा रहा है वही तेंदुआ है, जो आतंक मचाया है।

## मंत्री राजवाड़े के जेठ पर एफआईआर, नशे में की थी बदसलूकी

### बस कर्मचारी से गाली-गलौज, फिर धमकी दी; पुलिसकर्मी का नोचा था बैच

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के जेठ राजू राजवाड़े और साथी राजू सिंह के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। अंबिकापुर में दोनों ने नशे की हालत में पुलिसकर्मी और बस कर्मचारी से बदसलूकी की थी। बस कर्मचारी की शिकायत पर अपराध दर्ज किया गया है, जबकि पुलिसकर्मी की शिकायत पर कार्रवाई नहीं हुई है। बस कर्मचारी का आरोप है कि 25 अगस्त की रात राजू राजवाड़े और राजू सिंह अपनी कार को बस स्टैंड पर लगाकर शराब पी रहे थे, जिसकी वजह से जाम लग गई। कार नहीं हटाने से विवाद बढ़ गया। बस कर्मचारी ने कहा कि राजू राजवाड़े और राजू सिंह ने गाली-गलौज और धमकी भी दी। विवाद के बाद पुलिसकर्मी राजू राजवाड़े और राजू सिंह को बस स्टैंड पुलिस चौकी ले आई थी। इस दौरान राजू राजवाड़े ने मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का जेठ बताते हुए उनसे बात कराने कहा। पुलिस ने दोनों की जांच कराई और छोड़ दिया था। जांच रिपोर्ट में राजू राजवाड़े और राजू सिंह नशे की हालत में मिले थे। प्रधान आरक्षक देव नारायण नेताम ने राजू राजवाड़े के खिलाफ हुज्जत और गाली-गलौज करने के साथ ही वर्दी का बैच नोच लेने की शिकायत की थी।

**कोतवाली थाने में दर्ज हुई एफआईआर :** पुलिस ने बताया कि सार्वजनिक स्थल पर शराब सेवन, गाली-गलौज और धमकी देने की धारा 296, 351(2) और आबकारी एक्ट की धारा 36 (च) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। सरगुजा एसपी योगेश पटेल ने एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि की है। हालांकि पुलिस ने एफआईआर को ऑनलाइन नहीं किया है।

**हटाए गए हेड कॉन्स्टेबल:** सरगुजा एसपी योगेश पटेल के मौखिक निर्देश पर शिकायतकर्ता हेड कॉन्स्टेबल देव नारायण नेताम को लाइन भेज दिया था। मामले में किरकिरी के बाद एसपी ने हेड कॉन्स्टेबल को कोतवाली थानाक्षेत्र से हटाकर गांधीनगर थाने में पदस्थ कर दिया है।

## कब्र खोदकर निकाला गया बच्ची का शव, दवा के ओवरडोज से हुई थी मौत, 4 सदस्यीय जांच टीम गठित

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के नवजीवन अस्पताल में उल्टी-दस्त की दवा के ओवरडोज से गुरुवार को 6 साल की बच्ची की मौत हो गई। अब शनिवार को पुलिस ने कार्यपालक मजिस्ट्रेट और फोरेंसिक की मौजूदगी में दफनाए गए शव को कब्र से बाहर निकाला। पंचनामा के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुमगांव शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया।

मामला तुमगांव थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर-8 का है। नेतराम धीवर की बेटी अंकिता धीवर की मौत के बाद परिजनों ने शुक्रवार को शव को तुमगांव गाड़ाघाट चीमनी भट्ट के पास दफनाया था। उसी शाम नगर पंचायत उपाध्यक्ष पप्पू कुमार पटेल, बच्ची के पिता और ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग को लेकर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

दरअसल, बच्ची की ओवरडोज से मौत की जानकारी के बाद आनन-फानन में स्वास्थ्य विभाग ने जांच के लिए 4 सदस्यीय डॉक्टरों टीम गठित की। जो इस पूरे मामले की जांच करेगी। जिसके बाद रिपोर्ट अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

**पार्टनरशिप में चल रहा अस्पताल:** सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, नवजीवन हॉस्पिटल का लाइसेंस उदयराम साहू के नाम पर है। उदयराम का बेटा प्रवीण साहू रुरू है। वो गढ़सिवनी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी के पद पर पदस्थ है। रायपुर के डॉ. शिवम पाण्डेय नवजीवन अस्पताल के स्छ है। दोनों पार्टनरशिप में तुमगांव-महासमुंद चौक के पास स्थित एक कॉम्प्लेक्स में शटर लगे सभी दुकानों को 30 बिस्तर हॉस्पिटल बनाकर पिछले 6 महीने से चला रहे हैं।

**नवजीवन अस्पताल पर होगी कार्रवाई:** नर्सिंग होम एक्ट के नियमों का पालन नहीं करने को लेकर नोडल अधिकारी डॉ. छत्रपाल चंद्राकर से दैनिक भास्कर ने बात की। उनका कहना है कि, जिले में घूम कर जांच करना मुमकिन नहीं है। इसके लिए पांचों ब्लॉक में बीएमओ को जांच की जिम्मेदारी दी गई है। उनके पास सभी पावर है। जांच के बाद नवजीवन हॉस्पिटल पर कार्रवाई की जाएगी।

अब शिकायत के बाद शनिवार को 11.30 बजे तुमगांव थाना प्रभारी हितेश जंघेल ने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट श्रीधर पंडा, फोरेंसिक डिपार्टमेंट के डॉ. लोकेश कुमार सिंह और परिजनों की मौजूदगी में शव को बाहर निकलवाया। जिसके बाद पोस्टमॉर्टम किया गया।

**रिपोर्ट आने पर ही कुछ बता पाएंगे:**

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमगांव के बीएमओ डॉ. अनिरुद्ध कसार का कहना है कि, पोस्टमॉर्टम के बाद तुरंत कुछ भी बता पाना मुश्किल होता है। जल्दबाजी में कोई भी ओपिनियन देना कठिन है। एफएसएल रिपोर्ट के बाद ही कुछ बताया जा सकता है। वहीं, इस मामले में नवजीवन हॉस्पिटल से बातचीत करने कोशिश की गई, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

## 40 लाख का लोन लेकर शहर से हुए फरार, गारंटर गिरफ्तार

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)।** राजधानी रायपुर के पंजाब नेशनल बैंक से 40 लाख रुपए का लोन लेकर दो युवक शहर से फरार हो गए। लंबे समय तक जब उन्होंने बैंक का लोन नहीं चुकाया तो ब्रांच मैनेजर ने इसकी शिकायत पुलिस से की। इस मामले में पुलिस ने लोन के गारंटर फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। ये पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पंजाब नेशनल बैंक अनुपम नगर के ब्रांच मैनेजर ने पुलिस से शिकायत की। जिसमें उन्होंने बताया कि ऋषि तिवारी नाम के एक व्यक्ति ने करीब 5-6 साल पहले बैंक से लोन लिया था। उसने कंक्रीट पावर मशीन खरीदने के लिए 39 लाख 90 हजार रुपए बैंक ने दिया था। इस लोन में दीपक तिवारी नाम का व्यक्ति गारंटर था। यह दोनों आपस में रिश्तेदार है।

आरोपियों ने लोन के पैसे की गाड़ी खरीदने के बाद लोन की राशि बैंक में चुकानी बंद कर दी। जिसके बाद बैंक ने उन्हें लंबे समय तक कई बार अल्टीमेटम दिए लेकिन आरोपी ने उसका कोई जवाब नहीं दिया। इस मामले में पुलिस से शिकायत होने के बाद पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुट गई। गुरुवार को पुलिस ने इस मामले में गारंटर दीपक तिवारी को धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

## गरियाबंद, धमतरी सहित 11 जिलों में भारी बारिश

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ में सितंबर से स्ट्रॉन्ग सिस्टम बन रहा है, जिससे पहले सप्ताह में ही मध्य और दक्षिण हिस्से में भारी बारिश हो सकती है। आज गरियाबंद और धमतरी सहित 11 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी है। 2 में ऑरेंज और 9 में यलो अलर्ट जारी किया गया है। सुकमा, बीजापुर, गरियाबंद, धमतरी, बालोद, मोहला मानपुर, बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर में बारिश हो सकती है। 1 जून से 30 अगस्त तक प्रदेश में 957.9 मिली मीटर बारिश हो चुकी है, जो औसत से 4% अधिक है। 6 जिलों में औसत से अधिक बारिश हुई है, इनमें 2 जिले बीजापुर और बलरामपुर शामिल हैं। 5 जिलों में औसत से कम और बाकी में सामान्य बारिश हुई है।

# सड़क के लिए आंदोलन, 6 गांव के 200 ग्रामीण धरने पर

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)।**छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में सड़क के लिए 6 गांव के ग्रामीण धरने पर बैठ गए हैं। शुक्रवार से धरने पर बैठे ग्रामीणों को 30 घंटे से भी ज्यादा का समय हो चुका है। उनका कहना है कि, जब तक रोड पूरी तरह सुधर नहीं जाती आंदोलन जारी रहेगा।

जिले के गारे गांव में पुरुषों के साथ महिलाएं और स्कूली छात्र भी धरने पर बैठे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि, 12 किलोमीटर तक की सड़क में जगह-जगह कीचड़ ही कीचड़ है। कई बार सड़क पार कर रहे बच्चे गिर जाते हैं। स्कूल जाने में भी परेशानी हो रही है।

शुक्रवार से यह आंदोलन चल रहा है, तमनार ब्लॉक के गारे में सुबह करीब 9 बजे से ग्रामीण स्कूल के सामने जमा हुए। इस आंदोलन में गारे, पाता, सराईटोला और मुड़ा गांव के लोग शामिल हैं। जब लैलूंगा विधायक विद्यावती सिदार को इसकी जानकारी लगी, तो वे भी ग्रामीणों के इस आंदोलन में साथ देने पहुंच गईं।

यहां विधायक स्कूली बच्चों के साथ धरने पर बैठ गईं। दोपहर बाद तहसीलदार और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाया, लेकिन ग्रामीण मानने को तैयार नहीं थे। ग्रामीणों का कहना है कि, कपंनियों के ओर से मेंटनेंस का काम शुरू तो किया गया है पर वे इससे संतुष्ट नहीं हैं।?

ग्रामीणों ने अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया है। ऐसे में रात भर कई ग्रामीण यहीं रहे, तो सुबह होने के बाद आंदोलनकारियों की संख्या बढ़ गई और शनिवार को करीब 200 लोग धरने में शामिल हो गए। ऐसे में खुले आसमान के नीचे धरनास्थल के पास ही सभी लोगों के लिए खाना भी बनाया गया। दोपहर में खाना खाकर सभी अपना आंदोलन जारी रखे हैं।

गांव के ग्रामीण महेश पटेल ने बताया कि कई ग्रामीणों की जमीन पर उद्योगों की ओर से मिट्टी भी डाल दी जा रही है। ऐसे में सड़क सुधार के साथ ही उन मिट्टी को भी उठवाने की मांग है। ऐसे में मजबूरन ग्रामीणों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। गारे में स्कूल आने जाने में छोटे बच्चों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आंदोलन में शामिल सामाजिक कार्यकर्ता राजेश त्रिपाठी ने कहा कि अगर कोई गर्भवती या मरीज को इस रोड से अस्पताल ले जाया जाता है तो खराब सड़क के कारण वे रास्ते में ही दम तोड़ देंगे। तमनार एसडीएम डीसी मौर्य ने बताया कि सड़क के मेंटनेंस का काम पूरा कर लिया गया है। सड़कों से कीचड़ और मिट्टी को हटा दिया गया है, ताकि आने जाने की सुविधा हो। बारिश में नया रोड नहीं बन सकता। क्षेत्र की सभी कंपनियों को अक्टूबर से नया रोड बनाने निर्देशित किया गया है।

## हरियाणा में गौमांस खाने के शक में युवक की हत्या

चरखी दादरी। हरियाणा के चरखी दादरी में 27 अगस्त को गौ मांस खाने के शक में गौरक्षकों ने युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। युवक से मारपीट का अब वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ लोग युवकों को लाठी और डंडों से बेरहमी से पीट रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में 29 अगस्त को 7 युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक गौमांस खाने को लेकर 27 अगस्त को बाढड़ा के हंसावास खुर्द गांव में विवाद हुआ था। यहां पर असम के कुछ परिवार झुग्गियां बना कर रह रहे हैं। गौरक्षा दल से जुड़े वर्कर यहां पहुंचे और झुग्गियों की तलाशी ली। इस दौरान वहां कुछ बर्तनों में मांस मिला। इसके बाद वहां मौजूद युवक सबरुद्दीन वहां से भागकर दूसरी झुग्गियों की तरफ चला गया। इसके बाद गौरक्षकों ने सबरूद्दीन को पकड़ लिया और उसे झुग्गी में लेकर आए। पूछताछ करने पर सबरुद्दीन ने बताया कि वह 2 महीने से यहां रह रहा है। 2 महीने में 2 बार गौमांस पकाया है। गौरक्षकों ने वीडियो रिकॉर्ड करना शुरू किया तो सबरुद्दीन ने कहा कि यह भैंस का मांस है। उसके बाद सबरुद्दीन से मारपीट की तो वह भाग निकला। गौरक्षकों ने उसे 100 मीटर दौड़ाकर दोबारा पकड़ा। इसके बाद उसके साथियों को भी वहां लेकर आए। उन्होंने कैमरे के सामने स्वीकार कर लिया कि यह गाय का मांस है। यह मांस चरखी दादरी से अब्बदुला से लेकर आए थे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। बाढड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मांस और यहां रहने वाले लोगों को अपने साथ थाने ले गई।

## कुकी-जो संगठनों की मणिपुर में कुकीलैंड की मांग

इंफाल। कुकी-जो समुदाय के लोगों ने शनिवार (31 अगस्त) को मणिपुर के चुराचांदपुर, कांगपोकपी और टेंग्नौपाल में रैलियां निकालीं। इन संगठनों की मांग है कि मणिपुर में अलग कुकीलैंड बनाया जाए, जो केंद्र शासित प्रदेश हो। इन संगठनों का कहना है कि ने पुडुचेरी की तर्ज पर विधानसभा के साथ एक केंद्र शासित प्रदेश बनाना ही राज्य को जातीय संघर्ष से बाहर निकालने का इकलौता रास्ता है। इधर, पेनियल में भाजपा प्रवक्ता टी माइकल एल हाओकिप के घर पर आग लगा दी गई। हाओकिप ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए आरोप लगाया है कि यह काम कुकी लोगों का है। हाओकिप ने कहा कि पिछले एक साल के अंदर तीसरी बार उनके घर पर हमला हुआ। पिछले हफ्ते भी 30 से ज्यादा हथियारबंद लोगों ने कई राउंड फायरिंग की थी। मणिपुर में निकाली गई रैलियों में सीएम बीरेन सिंह ने दिए इंटरव्यू का विरोध किया गया। पीटीआई को दिए इंटरव्यू में मुख्यमंत्री ने कुकी समूहों की अलग प्रशासन (कुकीलैंड) की मांग को खारिज कर दिया। सीएम बीरेन ने कहा कि वे राज्य की पहचान को कमजोर नहीं होने देंगे। बीरेन मैतेई समुदाय से आते हैं। जिस इलाके में कुकी रहते हैं, उस क्षेत्र के लिए एक विशेष विकास पैकेज देने का आश्वासन दिया है।

## केरल में आरएसएस की 3 दिन की बैठक शुरू

पलक्कड। आरएसएस की बैठक 2 सितंबर तक चलेगी। इसमें आरएसएस चीफ मोहन भागवत और सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले भी शामिल हुए। केरल के पलक्कड़ में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की 3 दिन की वार्षिक समन्वय बैठक शनिवार (31 अगस्त) सुबह 9 बजे से शुरू हुई। मीटिंग में आरएसएस चीफ मोहन भागवत, सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष शामिल हुए। इस मीटिंग में नए भाजपा अध्यक्ष के नामों पर चर्चा हो सकती है।

4 राज्यों की विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी बातचीत हो सकती है। बैठक में आरएसएस के 32 सहयोगी संगठनों के 300 कार्यकर्ता शामिल हुए। इसका उद्देश्य संगठनों के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर चर्चा करना है।

# प्रधानमंत्री बोले- महिला सुरक्षा के लिए कठोर कानून मौजूद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में आज जिला अदालतों की नेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा- आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं। 2019 में सरकार ने फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की स्थापना की थी। इसके तहत अहम गवाहों के लिए डिपोजिशन सेंटर्स का प्रावधान है। इसमें भी डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग कमेटी की भूमिका अहम है, जिसमें डिस्ट्रिक्ट जज, डीएम और एसपी शामिल होते हैं। इन कमेटी को और सक्रिय करने की जरूरत है। महिला अत्याचारों से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले आएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही अधिक आश्वासन मिलेगा।

न्याय में देरी को खत्म करने के लिए बीते एक दशक में कई स्तर पर काम हुए हैं। पिछले 10 सालों में देश ने ज्यूडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगभग 8 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। पिछले 25 साल में जितनी राशि ज्यूडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च की गई, उसका 75 प्रतिशत पिछले 10 सालों में ही हुआ है। पिछले 10 सालों में अदालतों के आधुनिकीकरण के लिए मिशन स्तर पर काम किया जा रहा है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज का कार्यक्रम भी इसका उदाहरण है। अगले दो दिनों में लंबित मामलों के प्रबंधन, मानव संसाधन और कानूनी बिरादरी की बेहतरी समेत कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। इसमें न्यायिक कल्याण पर एक सत्र भी शामिल किया गया है। दरअसल, कोलकाता रेप-मर्डर केस के बाद पश्चिम बंगाल सरकार केंद्र से महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर सख्त कानून बनाने की मांग कर रही है। इसे लेकर सीएम ममता ने 22 अगस्त और 30 अगस्त को पीएम को दो चिट्ठी भी लिखी थी। ममता ने 30 अगस्त की चिट्ठी में कहा था- मैंने 22 अगस्त को रेपिस्ट को कड़ी सजा देने के लिए कानून की मांग को लेकर पत्र लिखा था सीजेआई ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के 75 साल, केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है- भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है- एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर कभी अविश्वास नहीं किया। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 साल मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है- विकसित भारत, नया भारत। नया भारत, यानी - सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। जिला अदालतों की नेशनल कॉन्फ्रेंस दो दिनों तक चलेगी। सुप्रीम कोर्ट इसका आयोजन कर रहा है। इस कॉन्फ्रेंस में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की जिला अदालतों से 800 से ज्यादा प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कॉन्फ्रेंस में 5 सत्र आयोजित किए जाएंगे। सम्मेलन के पहले दिन अदालतों के इंफ्रास्ट्रक्चर और मानव संसाधन को बढ़ाने के तरीकों की खोज पर चर्चा होगी। जजों की सुरक्षा और कल्याणकारी पहलुओं पर भी विचार-विमर्श होगा। कार्यक्रम के दूसरे दिन केस हैंडलिंग और लंबित मामलों में कमी के लिए रणनीतियों पर चर्चा होगी।

इसके लिए केस मैनेजमेंट पर एक सत्र आयोजित किया जाएगा। साथ ही जजों के लिए न्यायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। 1 अगस्त को कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भाषण होगा। वह सुप्रीम कोर्ट के ध्वज और प्रतीक चिह्न का भी अनावरण करेंगी। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ से 7 अगस्त को दैनिक भास्कर से खास बातचीत की थी। इसमें उन्होंने कहा, %किसी जज को राजनीति में जाने से पहले पर्याप्त समय (गैप) देना चाहिए। पॉलिटिक्स जॉइन करनी चाहिए या नहीं, यह अलग मामला है। यह बहस का मुद्दा है, लेकिन अगर राजनीति में जाना चाहें तो कूलिंग ऑफ ?पीरियड जरूरी है। मैं समझता हूं कि एक बार आप जज नियु?क्त हो जाते हैं, तो उम्र भर जज रहते हैं। चाहे आप कोर्ट में काम कर रहे हों, चाहे आप रिटायर हों। सामान्य नागरिक आपको देखता है, तो ये सोचता है कि आप जज ही तो हैं।

## गिरिराज सिंह को मुक्का मारने की कोशिश

बेगूसराय। बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को मुक्का मारने की कोशिश की गई। दरअसल, शनिवार को बलिया प्रखंड में जनता दरबार का आयोजन किया गया था। इसमें केंद्रीय मंत्री शामिल हुए थे। जनता दरबार से निकलते समय एक शख्स ने हमला कर दिया। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों ने केंद्रीय मंत्री को बचा लिया। हमला करने वाले शख्स के साथ वहां मौजूद लोगों ने पिटाई भी की है। पुलिस हमलावर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि जनता दरबार खत्म होने के बाद लखमिनियां निवासी वार्ड पार्षद और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता शहजादुज्जमा उर्फ सैफी की ओर से कुछ सवाल पूछा गया। चलते-चलते केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आपके द्वारा पूछे गए सभी सवालों का जबाव दे दिया गया है। इसके बाद सैफी ने नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने नारेबाजी से मना किया तो गिरिराज सिंह को मुक्के से मारने की कोशिश की। घटना पर अपनी बात रखते हुए गिरिराज सिंह ने कहा

कि हम निकलने लगे उसने मुर्दाबाद का नारा लगाना शुरू कर दिया। दुर्भाग्य है कि दाढ़ी होने के कारण तेजस्वी यादव भी उसके साथ खड़े हो जाएंगे, अखिलेश यादव भी वोट के लिए उसके साथ खड़े हो जाएंगे। लेकिन, मैं ऐसी चीजों से नहीं डरता। मैं लखमीनिया, बलिया, बेगूसराय या देश में जो भी साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ना चाहेंगे, उसके खिलाफ हमारी आवाज उठती रहेगी।

## कोलकाता रेप-मर्डर केस, पुलिस का सिविक वॉलंटियर गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता आरजी कर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के विरोध में जूनियर डॉक्टरों के प्रदर्शन का आज 23वां दिन है। रविंद्र भारती यूनिवर्सिटी के पास चल रहे प्रदर्शन के दौरान शुक्रवार रात 2 बजे एक शख्स शराब के नशे में बाइक लेकर में घुस गया। इस दौरान उसने एक छात्र को टक्कर मार दी, जिसमें उसे चोट आई है। इस पूरे घटनाक्रम के समय पुलिस भी मौजूद थी, लेकिन उसने बिना एक्शन लिए आरोपी को छोड़ दिया। इसके बाद डॉक्टरों ने आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर 5 घंटे तक बीटी रोड जाम कर दिया।

## शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन में पहुंचीं विनेश फोगाट

अमृतसर। पेरिस ओलिंपिक से डिसक्वालिफाई हुईं पहलवान विनेश फोगाट आज शनिवार को पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में पहुंचीं। यहां किसान नेताओं ने मंच पर उनको सम्मानित किया। किसानों की तरफ से आंदोलन को 200 दिन पूरे होने पर यहां कार्यक्रम रखा गया था। इसके बाद विनेश फोगाट खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में शामिल होंगी। इस मौके पर विनेश फोगाट ने कहा- आज किसानों को यहां बैठे 200 दिन हो गए, लेकिन जोश पहले दिन जैसा ही है। आपकी बेटी आपके साथ है। मैं सरकार को कहती हूं कि देश के लोग हक की आवाज उठाते हैं तो हर बार यह पॉलिटिकल नहीं होता। इसे किसी धर्म से नहीं जोड़ना चाहिए। विनेश ने आगे कहा- मैं सरकार से आग्रह करती हूं कि उन्हें सुनना चाहिए। उन्होंने पिछली बार अपनी गलती स्वीकार की थी। उन्हें अपने वादे पूरे करने चाहिए। इसे हल करना सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। कांग्रेस के विधानसभा चुनाव में टिकट

दिए जाने के सवाल पर विनेश ने कहा कि मुझे नहीं पता पॉलिटिक्स का। मुझे पॉलिटिक्स का इतना नॉलेज नहीं है। सच्चाई बता रही हूं कभी में इतना डीप में गई नहीं हूं। खेलों के बारे में पूछेंगे तो मैं बता सकती हूं, लेकिन हर जगह पर किसान हैं। अगर वो नाराज हैं तो उसका असर खिलाड़ियों पर भी होता है। विनेश के कांग्रेस की टिकट पर चरखी दादरी या जुलाना सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा है।

## केदारनाथ से एयरलिट किया जा रहा हेलिकॉप्टर गिराना पड़ा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ से एयरलिफ्ट किए जा रहे हेलिकॉप्टर को शनिवार सुबह करीब 8 बजे गिराना पड़ गया। केस्ट्रल एविएशन के इस हेलिकॉप्टर को रिपेयरिंग के लिए एमआई-17 एयरक्राफ्ट से एयरलिफ्ट किया जा रहा था। एयरलिफ्ट के दौरान तेज हवा के चलते एमआई-17 का बैलेंस बिगड़ गया। जिसके बाद पायलट ने हादसे की आशंका को देखते हुए इसे सुरक्षित जगह ड्रॉप कर दिया। जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि हवा और हेलिकॉप्टर के वजन से एमआई-17 का बैलेंस बिगड़ा था। इसके बाद पायलट ने थारू कैंप घाटी में खाली जगह हेलिकॉप्टर को ड्रॉप कर दिया। यहां आबादी नहीं है। ड्रॉप किए गए केस्ट्रल एविएशन के हेलिकॉप्टर की 24 मई को केदारनाथ में इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। तभी से यह हेलीपैड पर खड़ा था।

## महाराष्ट्र भाजपा प्रवक्ता बोले- एनसीपी को एनडीए छोड़ देना चाहिए

नागपुर। अजित पवार ने नागपुर में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा- महायुति में सीट शेयरिंग को लेकर पहली राउंड की बैठक हो गई है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव पहले महायुति गठबंधन (भाजपा, शिवसेना-शिंदे गुट, के नेता एक दूसरे के खिलाफ बयान दे रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता गणेश हेक ने कहा था कि एनसीपी को महायुति छोड़ देना चाहिए। इस पर शनिवार सुबह डिप्टी ष्टरूअजित पवार ने कहा- मुझे ऐसे कार्यकर्ताओं की बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। हम पीएम मोदी, अमित शाह और फडणवीस से बात करते हैं। इसके अलावा 29 अगस्त

को महाराष्ट्र स्वास्थ्य मंत्री और शिवसेना नेता तानाजी सावंत ने कहा था कि मुझे कैबिनेट में अजित के बगल में बैठने से उल्टी आती है। एनसीपी के साथ हमारी कभी नहीं बनी। इसके जवाब में अजित पवार ने कहा- कोई मेरी आलोचना करता है तो करता रहे। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं सिर्फ काम पर ध्यान देता हूं और काम करने पर विश्वास करता हूं। एनसीपी के प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने कहा- सावंत की टिप्पणी से पता चलता है कि महायुति को अब एनसीपी की जरूरत नहीं है। आरएसएस के मुखपत्र ने भाजपा से पूछा था कि उन्होंने अजित पवार के साथ गठबंधन क्यों किया। भाजपा कैडर भी यही सवाल पूछ रहा है। एनसीपी के लिए ह्ष्टक्क को महायुति से बाहर करने का समय आ गया है। अजित पवार के लिए अब जागने और हालात को समझने का समय आ गया है।

## सुप्रीम कोर्ट की 8वीं महिला जज हिमा कोहली रिटायर

नई दिल्ली। रिटायरमेंट के बाद मेरी जगह किसी महिला जज को ही अपॉइंट करें। ये बात सुप्रीम कोर्ट की 8वीं महिला जज जस्टिस हिमा कोहली ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ से कही। शुक्रवार (30 अगस्त) को उनकी फेयरवेल सेरेमनी थी। इस मौके पर बोलते हुए रिटायरमेंट चंद्रचूड़ ने कहा- गूंजते रहते हैं अल्फाज मेरे कानों में, तू तो आराम से कह देता है अल्लाह-हाफिज। आगे उन्होंने कहा कि जस्टिस कोहली न सिर्फ एक महिला जज हैं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों की प्रबल रक्षक रही हैं। सुप्रीम कोर्ट में तीन साल तक सेवा देने के बाद जस्टिस कोहली 1 सितंबर को रिटायर होने वाली है। जस्टिस कोहली 40 सालों तक कानून के पेशे में रहीं। उन्होंने 22 साल वकील और 18 साल बतौर जज काम किया। वो 31 अगस्त 2021 से सुप्रीम कोर्ट में जज के पद पर कार्यरत थीं। रिटायरमेंट चंद्रचूड़ ने जस्टिस कोहली की तारीफ करते हुए कहा कि जस्टिस कोहली के साथ बैठना बेहद खुशी की बात है। हमने बहुत गंभीर विचारों पर बातचीत और चर्चा की है। कई बार ऐसा हुआ है जब उन्होंने मेरा समर्थन किया।

## हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख बदली

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख चुनाव आयोग ने बदल दी है। 90 सीटों पर चुनाव 1 अक्टूबर की जगह अब 5 अक्टूबर को होंगे। इसके अलावा रिजल्ट 8 अक्टूबर को आएंगे। आयोग ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के भी नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित करने का ऐलान किया है। पहले दोनों राज्यों के नतीजे 4 अक्टूबर को आने वाले थे। चुनाव आयोग ने कहा कि राजस्थान की ऑल इंडिया बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हमसे तारीख बदलने की मांग की थी। उनका कहना था कि कई पीढ़ियों से पंजाब, राजस्थान और हरियाणा के कई परिवार गुरु जम्भेश्वर की याद में बीकानेर जिले में 'असोज' महीने की अमावस्या के दौरान पैतृक गांव मुकाम में सालाना उत्सव में भाग लेते हैं। इस साल यह उत्सव 2 अक्टूबर को पड़ रहा है। इसके चलते सिरसा, फतेहाबाद और हिसार के हजारों बिश्नोई परिवार मतदान के दिन राजस्थान की यात्रा करेंगे, जिससे वे 1 अक्टूबर को वोट नहीं डाल पाएंगे। बिश्नोई समाज की वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक भिवानी, हिसार, सिरसा और फतेहाबाद जिलों में बिश्नोई बाहुल्य गांव हैं। इनका असर करीब 11 विधानसभा क्षेत्रों में है। जिनमें करीब डेढ़ लाख वोट है। इसमें आदमपुर, उकलाना, नलवा, हिसार, बरवाला, फतेहाबाद, टोहाना, सिरसा, डबवाली, ऐलनाबाद, लोहारू विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने चुनाव आयोग को लेटर लिखकर कहा था कि 28 और 29 सितंबर को शनिवार-रविवार है।

## शिवाजी प्रतिमा गिरने पर कांग्रेस का प्रदर्शन

मुंबई। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में 26 अगस्त को छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फीट की प्रतिमा गिरी थी, जिसे लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस ने मुंबई में शुक्रवार (30 अगस्त) को प्रदर्शन किया था। इसे लेकर आज यूथ कांग्रेस मुंबई के जुहू चौपाटी पर प्रदर्शन कर रहा है। शिवाजी की प्रतिमा का 8 महीने पहले पीएम मोदी ने उद्घाटन किया था। कल पालघर में पीएम ने मूर्ति गिरने पर माफी मांगी थी। उन्होंने कहा-शिवाजी महाराज मेरे लिए सिर्फ एक नाम नहीं हैं। हमारे लिए वे पूजनीय हैं। उनसे सिर झुकाकर माफी मांगता हूं। मोदी से पहले

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार भी माफी मांग चुके हैं। हालांकि, भाजपा के माफी मांगने के बाद भी विपक्ष लगातार सरकार पर हमला कर रहा है। सिंधुदुर्ग पुलिस स्टेशन में स्नढ्ढक्र दर्ज की गई थी। इसमें ठाणे के मूर्तिकार जयदीप आप्टे का नाम भी शामिल था। पुलिस ने स्ट्रक्चरल कंसल्टेंट चेतन पाटिल को भी गिरफ्तार किया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। महाराष्ट्र कला निदेशालय के डायरेक्टर राजीव मिश्रा का कहना है कि उन्होंने केवल 6 फीट की मूर्ति लगाने की परमिशन दी थी। इसके लिए मूर्तिकार ने मिट्टी का मॉडल दिखाया था। मंजूरी मिलने के बाद नौसेना ने निदेशालय को यह नहीं बताया कि मूर्ति 35 फीट ऊंची होगी। न ही यह बताया गया कि इसमें स्टील की प्लेटों का इस्तेमाल किया जाएगा। स्टेट पीडब्ल्यूडी ने नौसेना को 2.44 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए थे।

# चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का पाकिस्तान जाना तय!

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान की मेजबानी में खेली जानी है। लंबे समय बाद टूर्नामेंट की वापसी हो रही है। टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च के बाच पाकिस्तान में खेला जाएगा। हालांकि टीम इंडिया टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी या नहीं। ये अभी एक सवाल बना हुआ है, इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी राशिद लतीफ की तरफ से दावा करते हुए कहा गया कि टीम इंडिया का पाकिस्तान आना 50 फीसदी तय है।

राशिद लतीफ ने जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनने के बाद ये दावा किया कि उन्होंने कहा कि जय शाह को आईसीसी चेयरमैन बनने में पाकिस्तान का भी सपोर्ट मिला है। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए राशिदा लतीफ ने कहा कि, अगर जय शाह निर्विरोध चुने गए हैं, तो इसका मतलब है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी सपोर्ट किया है। उन्होंने आगे कहा कि, 50 फीदसी पक्का हो गया है कि टीम इंडिया पाकिस्तान आ रही है। इसके अलावा पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी ने जय शाह के बारे में बात करते हुए कहा कि, जय शाह का काम अब तक फायदेमंद रहा है, फिर चाहें वह बीसीसीआई के लिए हो या आईसीसी के लिए, बता दें कि जय शाह आईसीसी के चेयरमैन बन चुके हैं और 1 दिसंबर से वह अपने पद का कार्यभार संभालेंगे। वहीं कई मीडिया रिपोर्ट्स से यही पता चला है कि टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉपी के लिए पाकिस्तान का दौरा करने के मूड में नहीं दिख रही है। हालांकि, कई रिपोर्ट्स में हाइब्रिड मॉडल को लेकर भी बात की गई है। बताया गया कि टीम इंडिया चाहती है कि टूर्नामेंट में उनके मुकाबले किसी न्यूट्रल वेन्यू पर हाइब्रिड मॉडल के तहत हों, हालांकि अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

## नरेंद्र मोदी पाकिस्तान आए... चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर इस पूर्व पाक क्रिकेटर ने कही बड़ी बात

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पाकिस्तान को अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करनी है। हालांकि, भारत के पाकिस्तान का दौरा करने की पुष्टि अभी नहीं हुई है। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पाकिस्तान दौरा करने पर अभी भी बयानबाजी जारी हैं। बीसीसीआई ने अब तक टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने की पुष्टि नहीं की है। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारतीय पीएम मोदी को लेकर बड़ी बात कही है। दरअसल, बासित अली ने अपने यूट्यूब चैन पर दावा किया है कि पाकिस्तान दो दिवसीय शंघाई सहयोग संघठन शासनाध्यक्षों की बैठक की मेजबानी करेगा। इस बैठक के लिए भारतीय पीएम मोदी को बुलावा दिया गया है। बासित अली ने आगे कहा कि अगर अक्टूबर में पीएम मोदी पाकिस्तान आते हैं तो टीम इंडिया भी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आ जाएगी। वहीं बासित अली ने अपने यूट्यूब चैनल पर कुछ दिन पहले ये कहा था कि पाकिस्तान को सुरक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड औ पाकिस्तानी सरकार से सवाल किया कि हमारे सैनिक शहीद हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि चैंपियन ट्रॉफी पाकिस्तान में होनी है और बांग्लादेश के बाद इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीमें आने वाली हैं।

## जो रूट ने फिर जड़ा शतक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** श्रीलंका के खिलाफ लाड्र्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भी इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज जो रूट ने शतक जड़ दिया। 33 साल के जो शतक है। वहीं पिछले चार सालों में रूट का ये 16वा शतक है।

इसके साथ ही जो रूट अब फैब-4 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में जो रूट ने 206 गेंद में 143 रनों की पारी खेली। इस दौरान रूट के बल्ले से 18 चौके निकले। 50 के अंदर दो और 100 के भीतर तीन विकेट गिरने के बाद रूट एक छोर पर चट्टान बन गए। इस तरह खराब शुरुआत के बाद भी इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन सात विकेट पर 358 रन बना लिए। 2021 से तक जो रूट शतकों के मामलों में फैब-4 में चौथे नंबर पर थे। फिर 2021 में रूट के बल्ले से 6 शतक निकले। इसके बाद अगले साल यानी 2022 में रूट ने पांच शतक जड़ डाले। हालांकि, 2023 जो रूट के लिए उतना अच्छा नहीं रहा। वैसे, 2023 में इंग्लैंड ने ज्यादा टेस्ट मैच भी नहीं खेले। 2023 में रूट ने दो शतक मारे। वहीं इस साल अब तक उनके बल्ले से 3 शतक आ चुके हैं। फैब-4 की बात करें तो अब जो रूट 33 शतकों के साथ पहले नंबर पर हैं। वहीं, न्यूजीलैंड के केन विलियमसन के नाम 32 शतक हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ भी 32 शतक लगा चुके हैं। भारत के विराट कोहली के नाम 29 शतक ही हैं। फिलहाल, रूट की नजरें सचिन तेंदुलकर के दो वर्ल्ड रिकॉर्ड पर है।

## बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारत और ऑस्ट्रेलिया में से कौन होगा भारी?

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कोच जॉन बुकानन का मानना है कि भारत की ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में जीत की हैट्रिक लगाने की संभावना इस बात पर निर्भर करेगी कि उसके उम्रदराज स्टार क्रिकेटर रोहित शर्मा और विराट कोहली मेजबान टीम के तेज गेंदबाजों का सामना किस तरह करते हैं। भारत 1991-92 के बाद पहली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा जिसका पहला मैच 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा। वहीं मुख्य कोच के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के सभी फॉर्मेटों में स्वर्णिम दौर का मार्गदर्शन करने वाले बुकानन ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के पास उम्रदराज खिलाड़ियों की भरमार है लेकिन इससे दोनों टीम के बीच प्रतिस्पर्धा में कोई बाधा नहीं होगी। बुकानन ने गुरुवार को सीपी गोयंका इंटरनेशनल स्कूल के लिए रेडी स्टेडी गो किड्स खेल कार्यक्रम के लॉन्च के बाद पीटीआई से बातचीत में कहा कि पिछली सीरीज में भारत से हारने के बाद से ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी आक्रमण में के साथ अब कैरमन ग्रीन और मिचेल मार्श शामिल हैं। ये काफी ताकतवर गेंदबाजी लाइनअप है। उन्होंने कहा कि, भारत के टॉप क्रम में यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा, विराट कोहली और संभवत-श्रेयस अय्यर को अच्छा स्कोर बनाने के लिए काफी अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी और फिर जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाज अपनी काबिलियत दिखाएंगे।

## राहुल द्रविड़ के बेटे समित का गरजेगा बल्ला, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया में हुई एंट्री

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टीम इंडिया के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया 19 के खिलाफ आगामी बहु-प्रारूप घरेलू श्रृंखला के लिए भारत की 19 टीम में नामित किया गया है। यह पहली बार है जब समित को भारत की 19 टीम में नामित किया गया है। मोहम्मद अम्मान को 50 ओवर की टीम का कप्तान बनाया गया है। अम्मान मध्यक्रम के बल्लेबाज हैं और उत्तर प्रदेश (यूपी) के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।

चार दिवसीय श्रृंखला के लिए सोहम पटवर्धन को कप्तान घोषित किया गया है। पटवर्धन घरेलू क्षेत्र में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। विशेष रूप से, समित वर्तमान में महाराजा केएससीए टी20 ट्रॉफी में मैसूर वारियर्स के लिए खेल रहे हैं और यह सीनियर स्तर पर उनका पहला टूर्नामेंट है। जुलाई में नीलामी में मैसूर वॉरियर्स ने समित को 50,000 रुपये में खरीदा था। वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे बल्लेबाज करुण नायर के नेतृत्व में खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया 19 के खिलाफ एक दिवसीय श्रृंखला के लिए भारत 19 टीम- रुद्र पटेल साहिल पारख , कार्तिकेय केपी , मोहम्मद अमान, किरण चोरमले , अभिज्ञान कुंडू (डब्ल्यूके) (एमसीए), हरवंश सिंह पंगालिया (डब्ल्यूके) (एससीए), समित द्रविड़ (केएससीए), युधाजीत गुहा (सीएबी), समर्थ एन (केएससीए), निखिल कुमार (यूटीसीए), चेतन शर्मा (आरसीए), हार्दिक राज ( केएससीए), रोहित राजावत (एमपीसीए), मोहम्मद एनान (केसीए) ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ चार दिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम- वैभव सूर्यवंशी (बिहार सीए), नित्या पंड्या (बीसीए), विहान मल्होत्रा ??(वीसी) (पीसीए), सोहम पटवर्धन (सी) (एमपीसीए), कार्तिकेय केपी (केएससीए), समित द्रविड़ (केएससीए), अभिज्ञान कुंडू (डब्ल्यूके) (एमसीए), हरवंश सिंह पंगालिया (डब्ल्यूके) (एससीए), चेतन शर्मा (आरसीए), समर्थ एन (केएससीए), आदित्य रावत (सीएयू), निखिल कुमार (यूटीसीए), अनमोलजीत सिंह (पीसीए), आदित्य सिंह (यूपीसीए), मोहम्मद एनान (केसीए)

## चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर हरभजन सिंह की दो टूक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अगले साल मार्च में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन किया जाएगा। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान के पास है, हालांकि टीम इंडिया टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान जाएगी या नहीं इस पर अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। बीसीसीआई साफ कह चुका है कि भआरतीय खिलाड़ियों के पाकिस्तान जाने पर फैसला सरकार करेगी। वहीं, भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने इस पूरे मामले पर बेबाक तरीके से अपनी राय रखी है। भज्जी का कहना है कि जब तक सुरक्षा चिंताएं दूर न हों तब तक भारतीय खिलाड़ियों को पाकिस्तान बिलकुल नहीं जाना चाहिए। हरभजन ने स्पोर्ट्स तक से कहा कि, सुरक्षा को लेकर चिंताएं वहां रही हैं। अगर वहां खिलाड़ियों की सिक्योरिटी नहीं होगी तो मुझे नहीं लगता कि जाना चाहिए। अगर वे कहते हैं कि टीमों को फुल सिक्योरिटी दी जाएगी और कोई दिक्कत नहीं है तो फिर जो सरकार सोचे वो ठीक है। दरअसल, ये सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। ये उसके पार है। मैं बतौर क्रिकेटर यही कह सकता हूं कि क्रिकेट खेलना है, खेलिए लेकिन वहां सुरक्षा को लेकर चिंता तो है। हमारे खिलाड़ियों को तब तक वहां नहीं जाना चाहिए, जब तक हमें लगे नहीं कि सिक्योरिटी बिलकुल सही है। बीसीसीआई हमेशा से कहता रहा है कि पाकिस्तान में क्रिकेट खेलना पूरी तरह से सरकार का फैसला है। भारतीय टीम एशिया कप 2023 खेलने के लिए भी पाकिस्तान नहीं गई थी। तब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की मेजबानी में एशिया कप हाइब्रिड मॉडल के आधार पर आयोजित हुआ था। भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। चैंपियंस ट्रॉफी के ड्राफ्ट शेड्यूल के अनुसार संभावित सेमीफाइनल और फाइनल सहित भारत के सभी मैच लाहौर में निर्धारित किए गए हैं।

## सचिन तेंदुलकर से हुई मनु भाकर की मुलाकात

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** हाल ही में पेरिस ओलंपिक 2024 मेडलिस्ट मनु भाकर ने कहा था कि सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी और विराट कोहली सर के सात अगर एक घंटा भी बिताने को मिला, तो ये मेरे लिए सम्मान की बात होगी। वहीं अब मनु का ये सपना पूरा हो गया है। मनु ने सचिन तेंदुलकर के साथ मुलाकात की और सोशल मीडिया पर तस्वीरें भी शेयर कीं। दरअसल, मनु भाकर कौन बनेगा करोड़पति शो के एपिसोड में जाने वाली हैं। और इसके लिए वह मुंबई में ही हैं। मनु भाकर और सचिन तेंदुलकर की मुलाकात की तस्वीरें देखकर आपका दिल भी खुश हो जाएगा। मनु भाकर ने ये तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि, सिर्फ और सिर्फ एक सचिन तेंदुलकर सर! क्रिकेटिंग आइडल के साथ ये पल बिताकर मैं बहुत ज्यादा ब्लेस्ड फील कर रही हूं। उनके सफर ने मुझे और हम सब में कई लोगों को अपने सपने का पीछा करने के लिए प्रोत्साहित किया है। ना भूल पाने वाले इस पलों के लिए शुक्रिया सर। सचिन तेंदुलकर ने जवाब में लिखा कि, मनु तुमसे और तुम्हारे परिवार से मिलना मेरे लिए काफी खास रहा। तुम्हारी सक्सेस स्टोरी को देखकर कई युवा लड़कियां प्रेरणा ले रही हैं ऐसे ही आगे बढ़ती रहो और नए बेंचमार्क सेट करती रहो।

## आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में ये तीन खिलाड़ी बिक सकते हैं सबसे महंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईपीएल 2025 का क्रिकेट फैंस को बेसब्री से इंतजार है। लेकिन उससे पहले टूर्नामेंट का मेगा ऑक्शन होना है, जिसमें कई टीमों के स्टार खिलाड़ी दूसरी टीम में शामिल हो सकते हैं। आईपीएल 2024 से पहले हुई मिनी ऑक्शन में मिचेल स्टार्क ने आईपीएल इतिहास का सबसे महंगा खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड कायम किया था। स्टार्क को केकेआर ने 24.75 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदा था। मेगा ऑक्शन में तीन खिलाड़ी स्टार्क का ये रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को लेकर लगातार चर्चाएं हैं कि फ्रेंचाइजी उन्हें आईपीएल 2025 के लिए रिटेन नहीं करेगी। हालांकि, अब तक रोहित के रिलीज होने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। अगर रोहित शर्मा को रिलीज कर दिया जाता है और उनका नाम मेगा ऑक्शन में आता है, तो उन्हें खरीदने की होड़ सभी फ्रेंचाइजियों में देखने को मिलेगी। हालांकि, खबरें ये भी हैं कि लखनऊ सुपर जायंट्स रोहित शर्मा पर 50 करोड़ तक की बोली लगा सकती है। आईपीएल के पिछले सीजन में केकेआर के लिए खेलने वाले फिल सॉल्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 39.55 की औसत और 182.01 के स्ट्राइक रेट से 435 रन बनाए थे। हालांकि, अभी कोलकाता की तरफ से उन्हें रिलीज करने की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। लेकिन अगर केकेआर आईपीएल 2025 के लिए सॉल्ट को रिटेन नहीं करती है और वह मेगा ऑक्शन में आते हैं, तो संभावना है कि वह टूर्नामेंट में बिकने वाले सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक हो सकते हैं। इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कर्रन को पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2023 में 18.50 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदा था। इंग्लिश ऑलराउंडर ने कई मौकों पर पंजाब किंग्स की कमान भी संभाली है। ऐसे में पंजाब उन्हें रिलीज करेगी या रिटेन करेगा, इस बारे में तो कुछ नहीं कहा जा सकता है। हां अगर, पंजाब ने उन्हें रिटने नहीं किया तो सैम कर्रन एक बार फिर महंगे बिक सकते हैं।

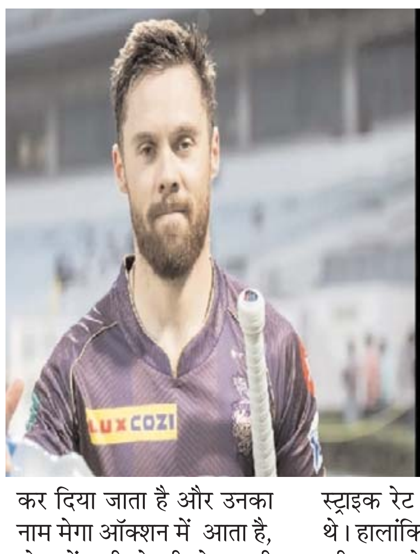

## बडोनी ने टी20 की एक पारी में सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा, आर्य ने एक ओवर में छह छक्के लगाए

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आयुष बडोनी (165) ने 19 छक्कों के साथ किसी टी20 पारी का नया रिकॉर्ड कायम किया तो वहीं प्रियांश आर्य (120) ने एक ओवर में छह छक्के लगाए जिससे साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में शनिवार को नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ पांच विकेट पर 308 रन बनाये। यह टी20 मैच का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। भारतीय अंडर-19 टीम के खिलाड़ी आर्य ने साउथ दिल्ली की पारी के 12वें ओवर में छह छक्के लगाये लेकिन बडोनी ने उनसे ज्यादा आक्रामक बल्लेबाजी की। इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने वाले बडोनी ने 19 छक्के जड़े जो टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड है। दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी 55 गेंद की पारी में आठ चौके भी लगाये। टी20 मैच की किसी पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड इससे पहले संयुक्त रूप से वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम था। दोनों बल्लेबाजों ने एक समान 18 छक्के लगाये थे। गेल ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग के 2017 सत्र में ढाका डायनामाइट्स के खिलाफ रंगपुर राइडर्स के लिए 69 गेंदों में 146 रन की पारी में पांच चौकों के साथ 18 छक्के लगाए थे जबकि भारतीय मूल के चौहान ने इस साल जून में एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में साइप्रस के खिलाफ एस्टोनिया के लिए 41 गेंदों में 144 रन की पारी के दौरान 18 छक्के लगाए थे। वामहस्त बल्लेबाज आर्य ने महज 40 गेंद में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने अपनी 50 गेंद की पारी में 10 छक्के और इतने ही छक्के जड़े। उन्होंने इस दौरान मनन भारद्वाज के ओवर में छह छक्के लगाये। बडोनी और आर्य ने दूसरे विकेट के लिए 286 रन की साझेदारी कर टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड कायम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड जापान की लाचलान यामामोटो-लेक और केंडेल काडोवाकी-फ्लेमिंग की सलामी जोड़ी के नाम था, जिन्होंने इस साल फरवरी में चीन के खिलाफ पहले विकेट के लिए 258 रन जोड़े थे। साउथ दिल्ली ने पांच विकेट पर 308 रन बनाये जो 2023 में एशियाई खेलों की पुरुष प्रतियोगिता में मंगोलिया के खिलाफ नेपाल द्वारा 20 ओवर में बनाए गए तीन विकेट पर 314 रन से महज छह रन कम है।

# सोमवती अमावस्या मेला की तैयारी देखने चित्रकूट पहुंचे कलेक्टर-एसपी

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** कलेक्टर अनुराग वर्मा और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने शनिवार को जिले के प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थस्थल चित्रकूट पहुंचकर सोमवती अमावस्या मेले की तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने सोमवती अमावस्या मेले में अत्यधिक संख्या में श्रद्धालुओ की पंहुचने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुये प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ मेले की सुरक्षा और कानून व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर श्री वर्मा और पुलिस अधीक्षक श्री गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान चित्रकूट के घाटों, कामतानाथ मंदिर, परिक्र मा स्थल सहित विभिन्न प्रमुखों चौराहों, आवागमन के मार्गों और स्थानों का भ्रमण करते हुये अधिकारियों से मेले की तैयारियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने साधू-संतों एवं स्थानीय लोगों से भी बातचीत की।कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को भीड़ प्रबंधन के

साथ-साथ सुरक्षा के कड़े प्रबंध और व्यवस्थायें चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिये। इस मौके पर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी सहित मेले की ड्यूटी में नियुक्त अधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने चित्रकूट समग्र विकास योजना को लेकर विभिन्न स्थलों का जायजा लिया।

# पोषण माह के शुभारंभ पर एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ अवसर पर 31 अगस्त को जिले के सभी 2054 आंगनवाडी केन्द्रों, परियोजना एवं जिला स्तर पर कार्यक्र म आयोजित किये गये। जिला स्तर पर जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यालय परिसर तथा जवाहर नगर आंगनवाडी केन्द्र में एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। इस दौरान उपस्थित जनों को पौधों के संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। इस मौके पर जिला कार्यक्र म अधिकारी महिला एवं बाल विकास सौरभ सिंह, सहायक संचालक श्याम किशोर द्विवेदी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा। राष्ट्रीय पोषण माह के तहत 1 से 30 सितंबर 2024 तक पूरे माह जिले के सभी आंगनवाडी केन्द्रों में कार्यक्र म आयोजित किये जायेंगे।

# एकीकृत आयुष विंग संचालन के लिए 213 पदों की स्वीकृति

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** आयुष विभाग ने प्रदेश के 22 जिलों के एलोपैथी चिकित्सालयों में एकीकृत आयुष विंग संचालन के लिए कुल 213 विभिन्न पदों के जिलेवार एवं पैथीवार सृजन की स्वीकृति दी है। जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के अलीराजपुर, आगर मालवा, रीवा, अनूपपुर, ग्वालियर, अशोकनगर, भिंड, कटनी, उमरिया, बैतूल, भोपाल, बुरहानुपुर, खंडवा, खरगोन, धार, मुरैना, सतना, शहडोल, सिंगरौली, उज्जैन, सागर एवं निवाड़ी सहित 22 जिलों के लिए 22 आयुर्वेद चिकित्सा विशेषज्ञ के पद स्वीकृत किए गए हैं। ग्वालियर, भिंड, कटनी, उमरिया, मुरैना, शहडोल, उज्जैन एवं सागर सहित 8 जिलों के लिए 8 होम्योपैथी चिकित्सा विशेषज्ञ के पद स्वीकृत किए गए हैं। रीवा, ग्वालियर, भोपाल, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन एवं उज्जैन समेत 7 जिलों के लिए 7 यूनानी चिकित्सा विशेषज्ञ के पद सृजन की भी स्वीकृति दी गई है।

इसी तरह प्रदेश के अलीराजपुर, आगर मालवा, रीवा, अनूपपुर, ग्वालियर, अशोकनगर, भिंड, कटनी, उमरिया, बैतूल, भोपाल, बुरहानुपुर, खंडवा, खरगोन, धार, मुरैना, सतना, शहडोल, सिंगरौली, सागर एवं निवाड़ी सहित 21 जिलों के लिए 21 आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी के पद स्वीकृत किए गए हैं। ग्वालियर, भिंड, कटनी, बैतूल, मुरैना, शहडोल, उज्जैन एवं सागर सहित 8 जिलों के लिए 8 होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी के पद स्वीकृत किए गए हैं। रीवा, ग्वालियर, भोपाल, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, उज्जैन एवं सागर समेत 8 जिलों के लिए 8 यूनानी चिकित्सा अधिकारी के पद सृजन की भी स्वीकृति दी गई है।

प्रदेश के अलीराजपुर, आगर मालवा, रीवा, अनूपपुर, ग्वालियर, अशोकनगर, भिंड, कटनी, उमरिया, बैतूल, भोपाल, बुरहानुपुर, खंडवा, खरगोन, धार, मुरैना, सतना, शहडोल, सिंगरौली, सागर एवं निवाड़ी सहित 21 जिलों के लिए 21 आयुर्वेद कंपाउंडर/फार्मासिस्ट के पद स्वीकृत किए गए हैं। इन जिलों में 21 पुरुष एवं 21 महिला समेत कुल 42 पंचकर्म तकनीशियन के पदों के सृजन की भी स्वीकृति दी गई है। ग्वालियर, भिंड, कटनी, बैतूल, मुरैना, शहडोल, उज्जैन एवं सागर सहित 8 जिलों के लिए 8 होम्योपैथी कंपाउंडर/फार्मासिस्ट के पद स्वीकृत किए गए हैं। रीवा, ग्वालियर, भोपाल, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, उज्जैन एवं सागर समेत 8 जिलों के लिए 8 यूनानी कंपाउंडर/फार्मासिस्ट के पद सृजन की भी स्वीकृति दी गई है। इन जिलों में 8 पुरुष एवं 8 महिला सहित कुल 16 आईबीटी तकनीशियन के पदों का भी सृजन किया गया है।

प्रदेश के अलीराजपुर, आगर मालवा, रीवा, अनूपपुर, ग्वालियर, अशोकनगर, भिंड, कटनी, उमरिया, बैतूल, भोपाल, बुरहानुपुर, खंडवा, खरगोन, धार, मुरैना, सतना, शहडोल, सिंगरौली, उज्जैन, सागर एवं निवाड़ी सहित 22 जिलों के लिए 22 बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (औषधालय सेवक) एवं 22 अंशकालीन स्वच्छक (पीटीएस) पदों के सृजन की भी स्वीकृति दी गई है।

# कागजों में चल रही गौशाला, सड़को में फिर रहे गौवंश

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिले के वार्ड क्रमांक 23 से जिला पंचायत सदस्य ने अपने जारी बयान में

बयान कहा कि गौवंशो की जो स्थिति सतना में है प्रदेश में कही नही है यहां सिर्फ नाम मात्र के लिए कागजों में गौशालाएं चल रही है। पूरे क्षेत्र में चित्रकूट विधानसभा के अंतर्गत चित्रकूट से चलकर सतना जाते हैं चित्रकूट से बगदरा पिंडरा और हिरौंदी कोठी के पास पूरी सड़कों में गौ माता दिखाई देती हैं गौशाला जो बनी हुई है जिनमे पिण्डरा, हिरौंदी, झरी, पालदेव में गौशाला संचालित हो रही है जो की सिर्फ कागजों में चल रही है गौमाता के नाम पर उनके भोजन और पानी के नाम पर जिम्मेदार रकम डकार रहे है, शासन के अधिकारियों द्वारा किसी प्रकार का ना तो कभी जांच होती है ना तो में गौशालाओं को चलाने के लिए इनको उनकी देखरेख के लिए किसी प्रकार की कोई कमेटी बनाई गई जबकि प्रशासन को कमेटी गठित कर समय-समय पर गौशालाओं की जांच करवाई जानी चाहिए मेरे जिला पंचायत क्षेत्र में बार्डर से उत्तर प्रदेश लगा होने के कारण उत्तर प्रदेश के लोग मध्य प्रदेश के जंगलों में गौ माता को छोड़ जाते हैं जिससे कि यहां किसानों की फसल नष्ट हो जाती हैं, और एरा प्रथा होने के कारण किसान खेती नहीं कर पा रहे हैं, पुरी की पूरी जमीन बंजर पड़ी हुई है श्री सिंह ने शासन प्रशासन से अनुरोध करते हुए कहा कि इन गौशालाओं का निरीक्षण किया जाए एवं संचालित गौशालाओं में कमेटी बने जिसकी देखरेख में गौशाला संचालित हो सके उस कमेटी में सरकारी कर्मचारी जनप्रतिनिधि एवं गांव के सम्मानित व्यक्ति रिटायर अधिकारी कर्मचारी लोग हो ऐसे मिलकर के कमेटी बनाई जाए जो गांव के लोगों के बीच में जाकर के गौ माता को गौशाला में रखने का कार्य किया जाए, और गौशालाओ में गौवंश पहुंचाए जाएं ताकि गौवंश सड़क की बजाय अपने सुरक्षित ठिकाने गौशाला में रहे।

## तीन दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का हुआ समापन

# गंभीर रोगियों को मिली नि:शुल्क जाँच और उपचार की सुविधा

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा विन्ध्य क्षेत्र में उपचार सुविधाओं को बेहतर करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री के प्रयासों से रीवा जिला मुख्यालय में तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। गत 29 अगस्त से कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में आयोजित शिविर का आज समापन हो गया। शिविर का आयोजन जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग तथा श्री अरविंदो अस्पताल इंदौर द्वारा किया गया। शिविर म् स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, मुख कैंसर, डायबिटीज, ह्मदय रोग तथा अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित व्यक्तियों की निःशुल्क जाँच और उपचार अरविंदो अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा की गई। इस सुपर स्पेशलिटी जाँच शिविर में शिशुओं के गंभीर रोगों की जाँच और उपचार किया गया।

शिविर स्थल पर रोगियों के पंजीयन की व्यवस्था की गई थी।

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने शिविर स्थल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा शिविर में रोगियों से मिलने वाली उपचार सुविधा के विषय में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पंजीयन काउंटर में पहुंचकर अब तक हुए पंजीयन तथा जाँच के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने गंभीर रोगों के लिए बनाए गए काउंटर में जाकर प्रदान की जाने वाली उपचार सुविधा के बारे में चिकित्सकों से जानकारी ली। उन्होंने उम्मीदों वाली बस के अंदर जाकर रोगियों की जाँच के लिए बनाई गई सुविधा का भी अवलोकन किया। इस दौरान आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, डॉ नरेश बजाज, डॉ सुनील अवस्थी सहित अरविंदो अस्पताल के चिकित्सक उपस्थित रहे।

### विकासखण्डों में आज से चार सितम्बर तक लगेंगे नि:शुल्क जाँच शिविर

उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की पहल पर गंभीर रोगों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए नि:शुल्क जाँच और उपचार शिविर लगाए जा रहे हैं। जिला मुख्यालय के साथ-साथ विकासखण्ड मुख्यालयों में भी इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में स्वास्थ्य विभाग तथा श्री अरविंदो अस्पताल इंदौर के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम रोगियों की जाँच और उपचार करेगी। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि श्री अरविंदो हास्पिटल इंदौर के सहयोग से एक सितम्बर को त्योंथर तथा चाकघाट, दो सितम्बर को डभौरा, तीन सितम्बर को सिरमौर तथा चार सितम्बर को मऊगंज में शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में अरविंदो हास्पिटल की सर्व सुविधायुक्त चलित अस्पताल इकाई उम्मीदों वाली बस से रोगियों की जाँच की जाएगी। इसमें मुख्य रूप से महिलाओं के स्तन कैंसर तथा सर्वाइकल कैंसर एवं ओरल कैंसर के रोगियों की जाँच एवं उपचार किया जाएगा। इस बस में जाँच के लिए आधुनिक चिकित्सा उपकरण लगाए गए हैं।

# नेशनल लोक अदालत की बैठक

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव की अध्यक्षता में शनिवार को नेशनल लोक अदालत की बैठक ए.डी.आर. भवन में आयोजित की गई। बैठक में विशेष न्यायाधीश प्रशांत कुमार निगम द्वारा समस्त न्यायिक अधिकारियों से अपील की कि 14 सितम्बर 2024 का आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत मे अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण करने का प्रयास करें। साथ ही उन्होंने समस्त मजिस्ट्रेट गण को निर्देशित करते हुए कहा कि धारा 138 छ.प्.।बज के अधिक से अधिक प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर राजीनामा करने के प्रयास करें। बैठक में विशेष न्यायाधीश प्रशांत कुमार निगम, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती पावस श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती अनीता खजुरिया तथा समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेट जिला मुख्यालय सतना के उपस्थित रहे।

# ग्राम बैहार में लगाया जायेगा शिविर

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा पीएम जनमन योजना में 23 अगस्त से 1 सितम्बर 2024 तक मैहर जिले के ग्राम बैहार ग्राम पंचायत सेमरा विकासखण्ड मैहर एवं ग्राम सेहरूआ नम्बर-2 ग्राम पंचायत सिलपरी विकासखण्ड अमरपाटन में चिन्हित बैगा (पीवीटीजी) ग्रामों में विशेष शिविर लगाये जाकर प्रधानमंत्री जनमन कार्यकम (जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान) अंतर्गत कियान्वयन की जा रही योजनाओं की जानकारी से पीवीटीजी समुदाय को जागरूक/अवगत कराने के लिए प्रचार-प्रसार के निर्देश दिये गये हैं। जनजातीय कार्य विभाग मैहर द्वारा क्रि यान्वयन की जा रही विभिन्न विभागीय योजनाओं का समस्त ग्रामों में शत प्रतिशत सेचुरेशन करने के लिए विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये हैं। सभी नोडल अधिकारी अपने विभाग की योजनाओं की चिन्हित पीवीटीजी ग्रामों में पीएम जनमन योजनाओं का शत-प्रतिशत सेचुरेशन करने के लिये निर्देशित किया गया हैं। जिसमें 1 सितंबर 2024 को समग्र शिक्षा के विशेष शिविर आयोजित किये गये है।

# प्रभारी मंत्री राधा सिंह दो दिवसीय प्रवास पर आज मैहर आयेंगी

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।**प्रदेश की पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री एवं मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह रविवार 1 सितंबर को सायं 4.30 बजे सडक मार्ग से मैहर पहुंचकर कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक लेंगी। तत्पश्चात सायं 6 बजे जिला कार्य समिति की बैठक में शामिल होने के उपरांत सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगी। जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती सिंह 2 सितंबर को दूसरे दिन प्रातः 11 बजे उदयपुरा में आयोजित कार्यक्र म में शामिल होंगी। प्रभारी मंत्री का

दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक का समय आरक्षित रहेगा। तदुपरांत सायं 4 बजे झुकेही सभागंज में गौशाला के भूमिपूजन कार्यक्र म में शामिल होने के बाद प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह मैहर से रात्रि 9.20 बजे रेवांचल एक्सप्रेस द्वारा भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगी।

# सप्लाई आज प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक बंद रहेगी

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड सतना के कार्यपालन अभियंता पंकज द्विवेदी ने बताया कि 220 केव्ही उपकेन्द्र कोटर अंतर्गत 33 केव्ही मेन बस मेंटीनेंस का कार्य किया जाना है। जिसमें 33 केव्ही डगडीहा नम्बर-1 एवं 2 तथा 33 केव्ही बाबूपुर व 33 केव्ही रामस्थान से ऊर्जित होने वाले 33/11 केव्ही उपकेन्द्र कोठरा मिक्स, डगडीहा, चूंद मिक्स एवं बाबूपुर, जेपी, नीमी, सरबहना, रामस्थान डीएल, रामस्थान एजी एवं घुंघचिहाई एजी, खम्हरिया डीएल से निकलने वाले समस्त 11 केव्ही फीडरों की सप्लाई प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक बंद रहेगी।

# बीजेपी में बगावत, पार्षद की टिकट काटकर बना दिया जिला उपाध्यक्ष

## प्राथमिक सदस्यता से दिया इस्तीफा, निर्दलीय लड़ेंगे पार्षदी का चुनाव, चुनाव चिन्ह भी मिला केक

अरुण तिवारी (मुन्नू)
जिला उपाध्यक्ष
MO. 8085118460
क्र...Q
श्रीमान जिलाध्यक्ष महोदय
भारतीय जनता पार्टी रीवा मध्यप्रदेश
दिनांक ..31/08/24
मैं भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक सदस्यता के साथ - साथ अपने सभी पदों से त्याग पत्र आपकी ओर सम्प्रेषित करता हूँ
अरुण तिवारी
पूर्व पार्षद वार्ड 5 बेकहा

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** नगर निगम रीवा के वार्ड क्रमांक 5 में पार्षद पद के लिए उपचुनाव हो रहे हैं जिसको लेकर बीजेपी और कांग्रेस पार्टी ने अपने अपने उम्मीदवार मैदान में उतार दिए। इस बीच चुनाव की नजदीकियों के साथ भारतीय जनता पार्टी में बगावत शुरू हो गई जहां पार्टी के कद्दावर नेता अरुण तिवारी मुन्नू ने शनिवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। मुन्नू के इस्तीफे की खबर जैसे ही शहर में आज की तरह फैली तभी से राजनीतिक गलियारों में भूचाल सा मच गया। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले ही पार्टी ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी देते हुए जिला उपाध्यक्ष बनाया था मगर उन्होंने इस पद के साथ ही पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

दरअसल अरुण तिवारी मुन्नू पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और अपने वार्ड नंबर 5 में काफी लोकप्रिय भी हैं जिसके चलते बीजेपी ने 2022 में हुए पार्षद पद के चुनाव के लिए उन्हें अपना कैंडिडेट भी बनाया था परंतु वहां पर मुन्नू निर्दलीय प्रत्याशी संजू सिंह से हार गए और पार्टी ने बाद में संजू सिंह को बीजेपी में शामिल करके उन्हें पार्टी का पार्षद करार दे दिया मगर पार्षद कार्यकाल से ठीक एक वर्ष के भीतर ही ह्रदयगति रुक जाने से रीवा शहर के वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद संजू सिंह का निधन हो गया और उनके निधन के बाद क्षेत्र में उपचुनाव की तैयारी शुरू हुई।

**टिकट कटा तो दिया इस्तीफा**: पार्षद पद के लिए हो रहे उपचुनाव के बीजेपी ने राजीव शर्मा पर अपना दांव चलाया और उन्हें पार्षद की टिकट दे दी गई जिसकी खातिर बीजेपी प्रत्याशी राजीव शर्मा ने अपना नामांकन भी दाखिल कर दिया। इसके बाद पार्टी की गतिविधि से नाराज पार्टी के दिग्गज नेता अरुण तिवारी मुन्नू ने पार्टी के प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया।

**मुन्नू को चुनाव चिन्ह में मिला केक:** आपको बता दें अब पार्षद पद के लिए हो रहे उपचुनाव में अरुण तिवारी मुन्नू ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन दाखिल किया है जिसमें उन्हें चुनाव चिन्ह का आवंटन भी हो गया है और वह केक चुनाव चिन्ह लेकर भाजपा प्रत्याशी का सामना करेंगे।

> जनता चाहती है कि मैं क्षेत्र में चुनाव लडू मगर पार्टी संगठन के पद पर रहा कर मैं चुनाव नहीं लड़ सकता जिसकी कारण मैंने त्यागपत्र दिया है। और अब मैं चुनावी मैदान में उतर चुका हूं जिसके लिए मैंने नामांकन भी दाखिल कर दिया
> **अरूण तिवारी मुन्नू**

# विमुक्त दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार विमुक्त दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्र म शनिवार को शासकीय स्वशासी महाविद्यालय (कालेज आफएक्सीलेंस) के अटल सभागार पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विमुक्त घुमन्तु समाज के अध्यक्ष सीएल पाल, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवेश सिंह बघेल, एनएसएस की जिला संगठक डॉ. क्र ान्ति मिश्रा, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग केके शुक्ला सहित विमुक्त, घुमन्तु समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विमुक्त, घुमन्तु समाज के पदाधिकारियों तथा लोगों को शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित

किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्यातिथ्य में भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्र म का लाइव प्रसारण बडी स्क्र ीन पर देखा व सुना गया। जिसमें मुख्यमंत्री द्वारा विमुक्त, घुमन्तु समाज के सामाजिक शैक्षणिक व आर्थिक विकास हेतु की गई घोषणाओं व विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। जाति प्रमाण पत्र बनाने में आ रही समस्याओं के संबंध में चर्चा कर समस्या निवारण के लिए प्रत्येक जनपद स्तर पर शिविर आयोजित करने के निर्देश दिये गये। विभागीय योजनाओं में विमुक्त घुमन्तु समाज हेतु संचालित योजनाएं में छात्रावास योजना, बस्ती विकास योजना, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, स्वरोजगार योजना आदि की जानकारी दी गई।

# सतना जिले में अब तक 640.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिले में इस वर्ष 1 जून से 31 अगस्त 2024 तक 640.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 1003.5 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 392.9 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 647.8 मि.मी, बिरसिंहपुर में 707 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 460 मि.मी., नागौद में 863.9 मि.मी., जसो (नागौद) में 306.5 मि.मी. एवं उचेहरा में 745 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 435.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

# नमक कारोबार के नाम पर 6 करोड़ की ठगी करने वाला गिरफ्तार

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** नमक कारोबार के नाम पर 6 करोड़ की ठगी करने वाले आरोपी को रीवा की समान पुलिस ने देहरादून से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने ठगी के रुपयों से आलीशान फ़्लैट खरीदने सहित अन्य चीजों में खर्च करने की बात कुबूल की है। पीड़ित नरेंद्र सिंह परिहार निवासी कृष्णा नगर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि, वीरेंद्र सिंह

सोलंकी निवासी पनासी थाना जानेह हाल मुक़ाम श्रीजी वृन्दावन अनंतपुर ने नमक के कारोबार के लिए उनसे पैसे लिए थे। आरोपी ने एक ट्रक नमक के लिए 2 लाख 50 हजार रुपये लिए थे। इसी तरह कई अन्य लोगों को भी ठगी का शिकार बनाया है। आरोपी ने कुल मिलाकर 140 ट्रकों के लिए करीब 6 करोड़ एकत्र किये। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने ठगी के पैसों से संपत्ति खरीदने की जानकारी दी है। मामले की जांच की जा रही है। जो तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर करवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।